छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351
डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 07 ■ अंक - 61 ■ बैकुंठपुर, गुरूवार 26 नवम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

औलाद दिलाने और हर बीमारी ठीक करने का झांसा देकर लाखों की ठगी

उत्तर प्रदेश का नौशाद अंबिकापुर में बनाया था ठिकाना, पुलिस ने आरोपित को किया गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर में धार्मिक आस्था के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने फर्जी बाबा के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया है। इधर ठगी के शिकार लोगों की सं या बढ़ती जा रही है। आरोपी के विरूद्ध कोतवाली थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, मोमिनपुरा निवासी यासीर अंसारी पिता असमुद्दीन अंसारी ने कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि आरोपी नौशाद अली पिता निसार अली उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के बैतीकला थाना अंतर्गत ग्राम चांदा का रहने वाला है। वह पिछले करीब नौ महीने से अंबिकापुर के रसूलपुर इलाके में दीपक खान के घर पर रह रहा था, और इस जगह को बाबे सीफा नाम दिया था। इस दौरान उसने खुद को सैय्यद बाबा, सूफी संत और रूहानी ताकत का मालिक बताकर लोगों के बीच अपनी पहचान बनाई। आरोप है कि वह लोगों को झांसा देता था कि बेऔलाद दंपतियों को औलाद दिला सकता है। वह यह भी दावा करता था कि किसी भी बीमारी का इलाज उसके पास है और खुद को खुदा का मसीहा बताता था। शिकायत कर्ताओं के अनुसार, इन्हीं झूठे और भ्रामक दावों के सहारे उसने लोगों की धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ किया और उनसे मोटी रकम ऐंठी। बाबा के झांसे में आए भुक्तभोगियों का कहना है कि आरोपी लोगों को बहला-फुसलाकर अपनी बातों में उलझा लेता था। बीमारी और संतान की चाह में परेशान लोग उसकी बातों पर भरोसा कर लेते थे। कई पीड़ित लोक-लाज और सामाजिक दबाव के कारण लंबे समय तक सामने नहीं आ पाए, इसी वजह से मामला परदे के पीछे रहा। बाद में सभी ने एक साथ थाने पहुंचकर शिकायत की।

ऐसे कथित बाबाओं से रहें सावधान

पुलिस ने शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद अपराध घटित होना पाया और अपराध करके आरोपी को उसके ठिकाने से गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ितों के बयान दर्ज करके पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी ने और कितने लोगों से पैसे लिए हैं और रकम कहां खर्च की गई। इस मामले के सामने आने के बाद लोगों का कहना है कि धार्मिक आस्था के नाम पर इस तरह की ठगी समाज के लिए खतरनाक है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि चमत्कार और रूहानी इलाज के नाम पर पैसे मांगने वालों से सावधान रहें और ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

10 हजार से 9 लाख तक ऐंठे



शिकायतकर्ता यासीर का आरोप है कि आरोपी ने उससे 75 हजार रुपये ठग लिए। शिकायत में बताया गया है कि बैकुण्ठपुर निवासी बाबा खान से लगभग 9 लाख रुपये, यासीर खान से 75 हजार रुपये, सोएब अ तर से 20 हजार रुपये, समीर सिद्दीकी से 20 हजार रुपये, लारेब अहमद से 20 हजार रुपये और आदिल से 10 हजार रुपये, रसूलपुर में रहने वाले शाहिद नामक व्यक्ति से जुड़ा है, जिससे करीब 4 लाख रुपये की ठगी का दावा किया गया है।

आक्रोशित लोगों ने बाबा के ठिकाने को घेरा



कोतवाली थाना प्रभारी अखिलेश सिंह ने बताया कि अभी तक ठगी का शिकार हुए 15-20 लोग सामने आ चुके हैं। मंगलवार की रात को 200 से अधिक लोगों की भीड़ कथित चमत्कारी बाबा के ठिकाने को घेरकर खड़ी थी। चर्चा इस बात की भी हो रही थी कि बाबा ने कईयों को नशे की लत से दूर किया और कई लोगों की समस्याओं का समाधान किया था। ऐसे लोगों के माध्यम से खबर अन्य लोगों तक पहुंचते गई और ठगी का शिकार लोग होते हुए। सूचना मिलने पर पुलिस जब मौके पर पहुंचे तो लोगों का आक्रोश चरम पर था। पुलिस टीम ने बाबा को तत्काल हिरासत में ले लिया और थाने लाकर पीड़ितों का कथन लेकर अपराध दर्ज कर लिया है।

सड़क सुरक्षा, कानून-व्यवस्था एवं नशे की रोकथाम को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा मादक पदार्थों की अवैध तस्करी एवं नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कानून एवं शांति व्यवस्था, जिला स्तरीय एनसीओआरडी एवं सड़क सुरक्षा संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन, नशे की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए दुर्घटनाजन्य स्थलों (ब्लैक स्पॉट), रंबल स्ट्रिप, डिवाइडर, रेडियमयुक्त सड़क संकेतक एवं स्पीड ब्रेकर सहित विभिन्न सड़क सुरक्षा उपायों की समीक्षा की गई। संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने तथा यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुगम बनाने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे दुकानों द्वारा किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही होटल एवं ढाबों में अवैध रूप से शराब परोसने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने जिले में ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित नियमों का उल्लंघन कर डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने को कहा। साथ ही जिले में साइलेंट जोन का चिह्नांकन कर समय-समय पर निरीक्षण एवं नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कबाड़ की आड़ में चोरी के सामानों की खरीद-फरोख्त पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा ऐसी गतिविधियों पर सतत निगरानी रखते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।



यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

बैठक में गत माह के सड़क सुरक्षा सप्ताह की मासिक रिपोर्ट के आधार पर यातायात व्यवस्था एवं नियमों के उल्लंघन के मामलों की समीक्षा की गई। दोपहिया वाहनों में तीन सवारी बैठाकर चलने, शराब पीकर वाहन चलाने तथा ओवरलोडिंग करने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने तथा चारपहिया वाहनों में सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करने वालों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। पुलिस अधीक्षक ने सड़क दुर्घटनाओं में जनहानि को रोकने के लिए हेलमेट के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने जिले के सक्षम नागरिकों से सामाजिक सहभागिता के माध्यम से हेलमेट वितरण शिविर आयोजित करने का आग्रह किया। साथ ही जिला परिवहन अधिकारी को जिले के अलग-अलग विकास खंडों में लर्निंग लाइसेंस शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र नागरिकों को वाहन चालन अनुज्ञप्ति प्राप्त करने में सुविधा हो।

विकसित ग्राम पंचायत प्लान से गांवों के समग्र विकास को मिलेगी नई दिशा

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। जिले की ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर, सुविधा संपन्न एवं विकास की दृष्टि से सशक्त बनाने के उद्देश्य से विकसित ग्राम पंचायत प्लान (वीजीपीपी) वर्ष 2027-28 की तैयारी को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंकिता सोम की उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्यशाला में ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए स्थानीय आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों एवं जनभागीदारी के आधार पर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने ग्राम पंचायतों के विकास के लिए योजनाबद्ध एवं परिणामोन्मुखी कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर विकास की आवश्यकताओं का वास्तविक आकलन करते हुए ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाए।

झुमका डैम के किनारे 'सुपर थर्टी' से कलेक्टर का संवाद, 30 युवाओं ने साझा किए अपने सपने

कलेक्टर ने कहा, उठो, दौड़ो, भागो, अपनी रुचि पहचानें और लक्ष्य के लिए मेहनत करें

छ.ग.फ्रंटलाइन

कोरिया। झुमका डैम के किनारे खुले आसमान के नीचे मंगलवार को कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने जिले के 30 युवाओं से उनके सपनों, करियर और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बातचीत की। ओपन थिएटर में आयोजित 'कलेक्टर्स- 15' के विशेष संस्करण 'सुपर थर्टी' में कलेक्टर ने युवाओं से जाना कि वे किस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं, अपने जिले में क्या बदलाव देखना चाहते हैं और अवसर मिलने पर समाज की किस समस्या के समाधान के लिए काम करना चाहेंगे। युवाओं ने अपनी आकांक्षाओं के साथ जिले में रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाओं पर भी अपने विचार रखे। उद्योग विभाग और आकांक्षी विकासखंड बैकुंठपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य विषय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), उद्यमिता और स्वरोजगार रहा। चर्चा इस बात पर केंद्रित रही कि युवा अपने कौशल और जिले में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर उद्यम कैसे शुरू कर सकते हैं और अपने साथ दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर कैसे बना सकते हैं। कलेक्टर श्रीमती यादव ने कहा कि जीवन में सफलता के कई रास्ते हैं। प्रशासनिक सेवाओं, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और विधि के साथ कला, संगीत, खेल, विज्ञान, व्यवसाय, पत्रकारिता, लेखन और फोटोग्राफी जैसे क्षेत्रों में भी आगे बढ़ने के अवसर हैं। हर क्षेत्र में शिक्षा, अनुशासन, समय का सदुपयोग और लक्ष्य के प्रति लगन जरूरी है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, 'उठो, दौड़ो, भागो।' अपनी रुचि पहचानें, हुनर को तराशें और लक्ष्य हासिल करने के लिए लगातार मेहनत करें। युवाओं को जिले की जरूरतों से जुड़े पांच विषयों पर आधारित 'मिशन कार्ड' दिए गए। समूहों ने विचार किया कि ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कैसे बढ़ाए जाएं, किसानों को उनकी उपज का बेहतर बाजार कैसे मिले और किसी स्थानीय उत्पाद को ब्रांड के रूप में पहचान कैसे दिलाई जाए। आईटीआई विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल को आय से जोड़ने और पर्यटन स्थलों के आसपास आर्थिक गतिविधियां व स्थानीय रोजगार बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने समूहवार अपने सुझाव प्रस्तुत किए।



'युवाओं की बात सुनी, सवाल पूछने के लिए किया प्रोत्साहित'

कृषि महाविद्यालय, पॉलीटेक्निक कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, शासकीय पीजी कॉलेज और आईटीआई सहित जिले के विभिन्न संस्थानों से चयनित युवाओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। शुरुआत आपसी परिचय और झिझक दूर करने वाली एक रचनात्मक गतिविधि से हुई। इसमें युवाओं ने अपनी कल्पनाशीलता का इस्तेमाल किया, एक-दूसरे के विचार सुने और मिलकर काम किया। इस गतिविधि के जरिए युवाओं ने अनुभव किया कि किसी नए विचार को आगे बढ़ाने में संवाद और आपसी समझ की क्या भूमिका होती है। कलेक्टर ने कहा कि किसी सवाल का सटीक जवाब देने के लिए पहले सामने वाले की बात ध्यान से सुनना जरूरी है। उन्होंने युवाओं से अपनी आकांक्षाओं और उलझनों पर खुलकर बात करने को कहा। करियर या स्वरोजगार की दिशा तय करते समय अपनी जिज्ञासा को महत्व दें। जिस विषय में रुचि हो, उसके बारे में सवाल पूछें और जवाब मिलने तक सीखने की कोशिश जारी रखें।

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में की विभागीय कार्यों की समीक्षा, लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अंतर्गत संचालित शासकीय योजनाओं, विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति तथा लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को विभागीय समन्वय के साथ विकास कार्यों में तेजी लाने, गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन तथा निर्धारित समय-सीमा में लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति बढ़ाने के लिए समस्त नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने अमृत जल मिशन के कार्यों में तेजी लाने तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को पाइपलाइन विस्तार की कुल लंबाई, पानी टंकियों के निर्माण की स्थिति एवं घरेलू जल कनेक्शनों की संख्या सहित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही गैस कनेक्शन योजना के अंतर्गत बीपीसीएल से संबंधित प्रगति, हितग्राहियों की सफलता की कहानियों सहित 36 योजनाओं एवं 186 विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने योजनाओं की उपलब्धियों एवं प्रगति संबंधी जानकारी व्यवस्थित रूप से संकलित करने तथा अटल मॉनिटरिंग डैशबोर्ड के माध्यम से विभागीय कार्यों की नियमित निगरानी और जानकारी अद्यतन करने के निर्देश दिए।

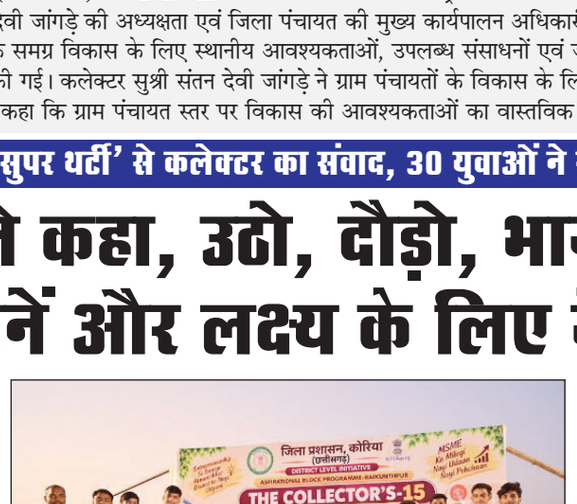

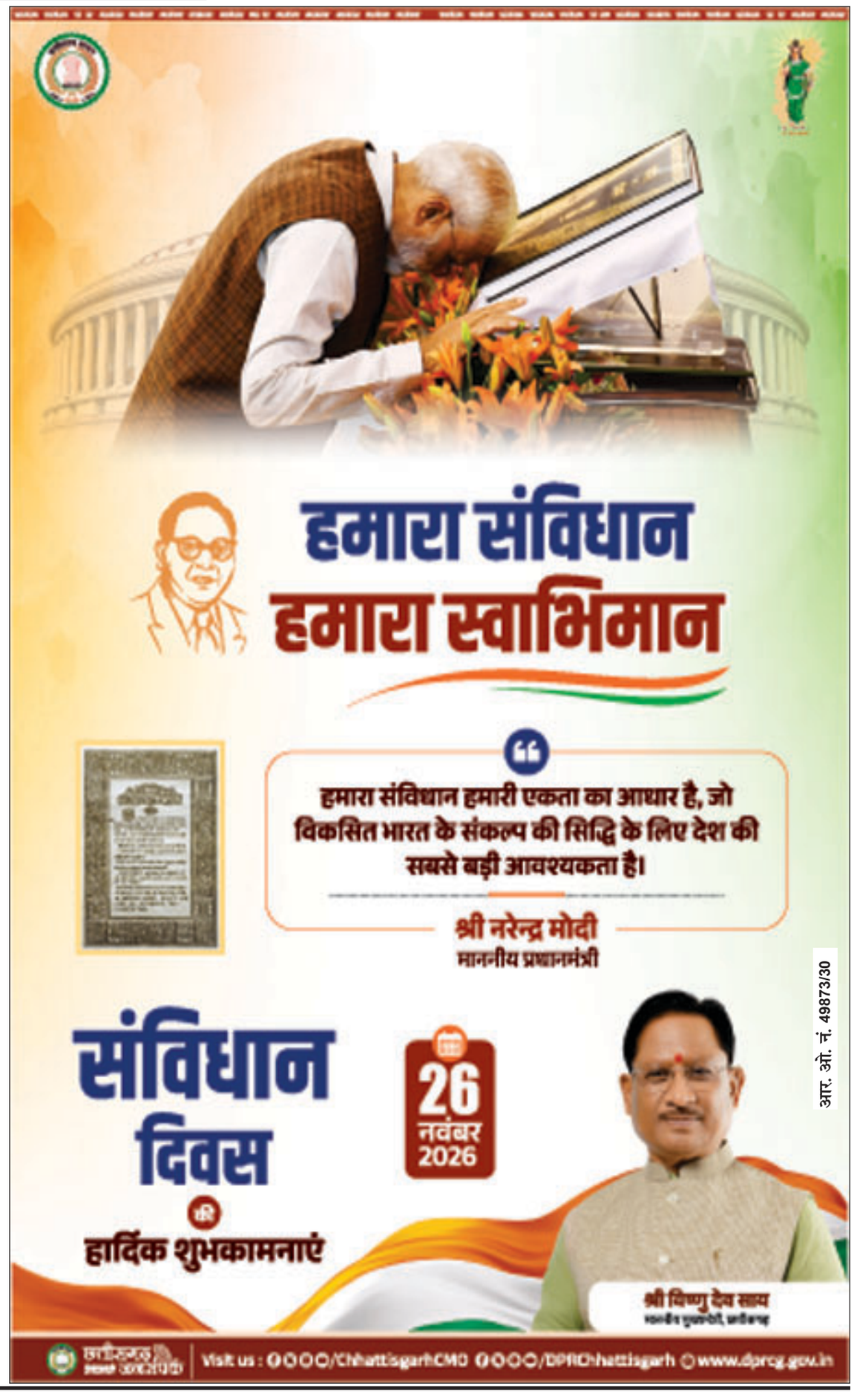

बकरा बकरी चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा, छह आरोपी गिरफ्तार



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। लटोरी क्षेत्र में लगातार हो रही बकरा-बकरी चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए लटोरी पुलिस ने चोरी करने वाले गिरोह के सदस्यों सहित चोरी का माल खरीदने वाले व्यक्ति एवं वारदात में प्रयुक्त कार किराए पर देने वाले वाहन स्वामी को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए 2 बकरी तथा वारदात में प्रयुक्त सियाज कार क्रमांक सीजी 10 व्ही 9456 जब्त की गई है। 6 नवंबर को प्रार्थी मोहम्मद मुस्लिम अंसारी पिता स्व. तासिम निवासी करवां ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 1 व 2 नवंबर की दरम्यानी रात अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया तथा घर के अंदर से 2 नग बकरा एवं 2 नग बकरी चोरी कर लिए गए। रिपोर्ट पर मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इसी प्रकार 23 नवंबर को प्रार्थी सुरेश कुमार कुशवाहा पिता रामप्रसाद कुशवाहा निवासी जगतपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 20 व 21 नवंबर की दरम्यानी रात अज्ञात व्यक्ति उसके घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तथा 3 नग बकरा एवं 2 नग बकरी चोरी कर ले गए। इस रिपोर्ट पर भी अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। सुरजपुर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं चोरी की वारदात को अंजाम देने वालों को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए थे। साथ ही चौकी स्तर पर विशेष टीम गठित कर आरोपियों की पतासाजी शुरू की गई। पुलिस टीम द्वारा स्थानीय मुखबीर तंत्र को मजबूत कर संदिग्धों पर लगातार नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान 24 नवंबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सीतापुर की ओर से कुछ व्यक्ति एक सफेद रंग की सियाज कार क्रमांक सीजी 10 व्ही 9456 में सवार होकर लटोरी क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने सोनवाही जंगल के पास घेराबंदी कर कार सवार पांच व्यक्तियों को पकड़ा। पूछताछ में उनकी पहचान अमीनुल्लाह खान पिता अब्दुल्लाह उम्र 25 वर्ष निवासी रायकेरा टोकापारा थाना सीतापुर, राकेश सिंह पिता इन्द्रदेव उम्र 28 वर्ष ग्राम मंगारी, मदन दास, मदन दास पिता लबदु दास उम्र 19 वर्ष ग्राम महेशपुर थाना सीतापुर, दिलचन्द दास उर्फ ममता पिता रूदन सिंह उम्र 19 वर्ष ग्राम नकना एवं वाहन स्वामी अजीत पैकरा पिता शंभूनाथ पैंकरा उम्र 26 वर्ष ग्राम बालमपुर थाना सीतापुर, गणेश कुमार मरावी पिता अशोक मरावी उम्र 24 वर्ष ग्राम छेवरी थाना थाना बतौली के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने 1 नवंबर को करवां से 2 नग बकरा एवं 2 नग बकरी तथा 20 नवंबर को जगतपुर से 3 नग बकरा एवं 2 नग बकरी चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि चोरी किए गए बकरा-बकरी को ग्राम रायकेरा टोकापारा ले जाकर नुरुल्लाह खान पिता सफार उम्र 45 वर्ष ग्राम रायकेरा टोकोपारा थाना सीतापुर नामक व्यक्ति को बेचा गया है। इस आधार पर पुलिस ने नुरुल्लाह खान को पकड़कर पूछताछ की जो उसने चोरी के 2 नग बकरा खरीदना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की घटना में प्रयुक्त सियाज कार क्रमांक सीजी 10 व्ही 9456, लोहे का रॉड, पेचकस, प्लास्टिक टेप जब्त किया है। प्रकरण में आरोपी नुरुल्लाह खान के विरुद्ध धारा 317 (4) बीएनएस तथा सभी आरोपियों के विरुद्ध संगठित होकर घूम-घूमकर बकरा-बकरी चोरी करने के संबंध में धारा 112 बीएनएस भी जोड़ी गई है। पूछताछ में यह भी सामने आया कि वाहन स्वामी अजीत पैकरा द्वारा आरोपियों को प्रत्येक रात 7 हजार रुपए किराए पर सियाज कार उपलब्ध कराई जाती थी, जिसका उपयोग बकरा-बकरी चोरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए किया जाता था। पुलिस द्वारा वाहन स्वामी को भी प्रकरण में आरोपी बनाया गया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी लटोरी सुनील सिंह, एएसआई वरूण तिवारी, प्रधान आरक्षक रामनिवास तिवारी, रविशंकर, आरक्षक विकास मिश्रा, शोभनाथ कुशवाहा, संतोष जायसवाल, मनोज सिरदार, सुनील एक्का, हरिओम पाण्डेय, युवराज यादव सक्रिय रहे।

ऐसे देते थे घटना को अंजाम

पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि जिस स्थान पर चोरी करने जाते थे वहां रात को 2-3 घंटे पूर्व ही पहुंच जाते थे और पहले रेकी करते थे उसके बाद घर में घुसकर बकरा बकरी के मुंह में प्लास्टिक टेप चिपका देते थे, जिससे आवाज न कर सके, उसके बाद चोरी के घटना को अंजाम देते थे।

आरोपियों के पूर्व आपराधिक रिकार्ड

मामले में गिरफ्तार आरोपी क्रेता नुरुल्लाह पूर्व में भी थाना बगीचा में बकरा चोरी के प्रकरण में, दिलचन्दर उर्फ ममता मोटर सायकल चोरी प्रकरण तथा अजीत पैकरा रामानुजगंज ज्वेलरी शॉप के चोरी के मामले में संलिप्त रहा है। आरोपियो से अभी तक के पूछताछ पर संगठित होकर गिरोह बनाकर चौकी लटोरी में 2 स्थानों पर, चौकी खडगंवा क्षेत्र में 2 तथा जिला सरगुजा के लखनपुर में 1 स्थान पर चोरी करना बताया गया है।

भक्ति व श्रद्धाभाव से मनाया गया श्री गुरु नानक देव का प्रकाश उत्सव



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सिख धर्म के संस्थापक व प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव का 557 वां प्रकाश उत्सव भक्ति व श्रद्धाभाव से मनाया गया। प्रकाश उत्सव को भव्य रूप से मनाने हेतु नगर के गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में प्रबंधन कमेटी व सिख समाज द्वारा पखवाड़े भर पूर्व से तैयारियां प्रारम्भ कर दी गई थीं।

रविवार को गुरुद्वारा साहेब में आरंभ कराए गए अखण्ड पाठ की समाप्ति मंगलवार के दिन सुबह 11.30 बजे सम्पन्न हुई। इसके पश्चात प्रकाश उत्सव के आयोजन के लिए विशेष तौर पर राजधानी दिल्ली से आए रागी जत्थे ज्ञानी सतवीर सिंह, जसविंदर सिंह व खेन सिंह द्वारा उपस्थित साध संगत को गुरबाणी कीर्तन सुनाकर निहाल किया गया। रागी जत्थे ने श्री गुरुनानक देव की धर्म निष्पेक्षता, मानव धर्म का एक रूप एवं आपसी प्रेम व भाई चारा की गुरबाणी के अनुसार से दी हुई सीख को साझा कर पुन: स्मरण कराया। गुरुपर्व के दिन सुबह से ही सिख सेवादारों व श्रद्धालुओं का गुरुद्वारा प्रांगण पहुंचने का सिलसिला चलता रहा। इस दौरान काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरु ग्रन्थ साहेब जी के समक्ष मत्था टेककर सुख शांति व मंगल कामना की अरदास की।अरदास समाप्ति पश्चात गुरु का लंगर चलाया गया, जिसे सैकड़ों भक्तों ने ग्रहण किया। सिख युवा समिति व स्त्री साध संगत के सदस्यों ने लंगर वितरण की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उर्वरक वितरण में पारदर्शिता के लिए एफएफएस प्रणाली पर किसानों और समिति प्रबंधकों को प्रशिक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए कृषि विभाग ने FFS (फ्रेमवर्क फर्टिलाइज़र सेल सिस्टम) के माध्यम से उर्वरक विक्रय पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें किसानों को बताया गया कि वे अपनी फसलों की आवश्यकता के अनुसार उर्वरक का टोकन या क्यूआर कोड खुद कैसे जारी कर सकते हैं। समिति प्रबंधकों को उर्वरक विक्रय, पीओएस मशीन संचालन, ऑनलाइन बिलिंग, किसान पंजीयन और उर्वरक वितरण की पूरी प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि FFS प्रणाली से उर्वरक बेचने पर वितरण में पारदर्शिता आएगी। साथ ही उर्वरक की उपलब्धता और वितरण की ऑनलाइन निगरानी भी हो सकेगी। कृषि विभाग ने सभी सहकारी समितियों और विक्रेताओं से अपील की कि वे शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार केवल स्नस्नस प्रणाली से ही उर्वरक बेचें और किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराएँ।



बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के दो वर्ष पूरे, 27 नवंबर को जिलेभर में होंगी सघन जागरूकता गतिविधियां

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। नवंबर को 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के दो वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसी दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित 'बाल विवाह, कम उम्र में विवाह और जबरन विवाह उन्मूलन का अंतर्राष्ट्रीय दिवस' भी है। इस अवसर पर जिले में जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक सघन जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। इनमें शैक्षणिक संस्थाएँ, पंचायती राज संस्थाएँ, स्थानीय निकाय, जनप्रतिनिधि, मैदानी कार्यकर्ता और समुदाय के प्रमुख लोग भाग लेंगे। इस दिन जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं होंगी। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को बाल विवाह न करने और इसका विरोध करने की शपथ दिलाई जाएगी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार दोपहर 3 बजे विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करेगा। इसका जिला स्तर पर ऑनलाइन प्रसारण किया जाएगा। नागरिक बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल (stopchildmarriage.wcd.gov.in) पर जाकर भी बाल विवाह के विरुद्ध शपथ ले सकते हैं।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि बाल विवाह कानूनी अपराध होने के साथ एक सामाजिक अभिशाप भी है। यह बच्चों के शारीरिक, शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक विकास को रोकता है और उनके अधिकारों का गंभीर हनन करता है। उन्होंने जिलेवासियों, समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों से इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

बलरामपुर जिले में धान खरीदी तेजी से जारी, 90 हजार क्विंटल से अधिक धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का काम सुचारू और व्यवस्थित ढंग से चल रहा है। जिले के 54 उपार्जन केंद्रों के जरिए 25 नवंबर तक 90,707.60 क्विंटल धान खरीदा जा चुका है।

बड़कागांव उपार्जन केंद्र 5,317.60 क्विंटल धान की खरीदी के साथ सबसे आगे है। इसके बाद त्रिकुण्डा में 3,881.20 क्विंटल, तातापानी में 3,133.20 क्विंटल और चान्दो में 2,317.20 क्विंटल धान खरीदा गया है। जिले के दूरस्थ अंचलों के केंद्रों पर भी किसान उत्साह से अपना धान बेचने पहुँच रहे हैं।

कृषि विभाग की कार्रवाई में बलरामपुर के कृषि सेवा केंद्र से 7.39 क्विंटल बीज और कीटनाशक जब्त

नियमों का उल्लंघन करने पर हुई कार्रवाई, अगले आदेश तक बिक्री पर रोक



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। किसानों को अच्छी गुणवत्ता के बीज, उर्वरक और कीटनाशक उचित दर पर मिलें, और कृषि आदान की बिक्री में पारदर्शिता रहे, इसके लिए कृषि विभाग जिले के कृषि सेवा केंद्रों और कृषि आदान विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर रहा है। इसी क्रम में विकासखंड बलरामपुर में स्थित कृपा कृषि सेवा केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पता चला कि प्रतिष्ठान में बीज अधिनियम 1966 के प्रावधानों का उल्लंघन कर बीज बेचे जा रहे थे। इस पर विभाग ने वहां रखे विभिन्न कंपनियों के बीज जब्त किए। इनमें 5 क्विंटल गेहूं, 1.55 क्विंटल सरसों और 0.84 क्विंटल मक्का के बीज शामिल हैं।

प्रतिष्ठान में कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं 1979 के प्रावधानों का उल्लंघन भी मिला। इस पर विभिन्न कंपनियों के कुल 42 लीटर तरल कीटनाशक और 25 किलोग्राम अन्य कीटनाशक उत्पाद जब्त किए गए।

विभाग ने प्रतिष्ठान संचालक को निर्देश दिए हैं कि जब्त बीज और कीटनाशक अगले आदेश तक न बेचे जाएं और न ही उन्हें भंडारण स्थल से हटाया जाए। वैध अनुज्ञप्ति और निर्धारित नियमों के अनुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी।

धान खरीदी में किसानों की बढ़ती भागीदारी, अब तक 6,694 किसानों ने बेचा 23 हजार मीट्रिक टन से अधिक धान



धमतरी, (एजेंसी)। खेतों में मेहनत से तैयार धान की उपज को समर्थन मूल्य पर बेचने के लिए जिले के किसान खरीदी केंद्रों तक पहुंच रहे हैं। जिले में धान उपार्जन का सिलसिला लगातार आगे बढ़ रहा है। खरीदी व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए टोकन प्रणाली के माध्यम से किसानों को धान विक्रय की सुविधा दी जा रही है। साथ ही वास्तविक कृषि रकबे के अनुरूप खरीदी सुनिश्चित करने के लिए रकबा समर्पण की प्रक्रिया भी जारी है। 26 नवंबर की स्थिति में जिले में अब तक 6,694 किसानों से 23,093.76 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। वहीं, आगामी खरीदी के लिए कुल 1,813 टोकन जारी किए गए हैं, जिनके माध्यम से 6,870.27 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जाना है। इससे स्पष्ट है कि जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया निरंतर गति पकड़ रही है और बड़ी संख्या में किसान इस व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं।

इस वर्ष धान खरीदी व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण पक्ष रकबा समर्पण भी है। धान विक्रय के उपरांत किसानों द्वारा शेष अथवा उपयोग में नहीं आने वाले कृषि रकबे का समर्पण किया जा रहा है। अब तक जिले के 2,674 किसानों ने कुल 101.32 हेक्टेयर रकबे का समर्पण किया है। इससे कृषि रकबे के वास्तविक उपयोग के अनुरूप अभिलेखों का संधारण और खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने में मदद मिलती है।

जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी केंद्रों में व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के साथ ही टोकन के अनुसार खरीदी, उपज की गुणवत्ता, सही तौल और धान के सुरक्षित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संबंधित अधिकारियों को खरीदी केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में धान खरीदी का उद्देश्य केवल उपज का उपार्जन करना ही नहीं, बल्कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना और पूरी प्रक्रिया को सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाना है। जिला प्रशासन इसी प्रतिबद्धता के साथ खरीदी व्यवस्था के संचालन में जुटा हुआ है।

सिकल सेल प्रभावित हितग्राहियों के लिए सामाजिक कल्याण शिविर का आयोजन

रायपुर, (एजेंसी)। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिकल सेल प्रभावित हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के लिए सामाजिक कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 45 पात्र हितग्राहियों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाए गए।

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में सिकल सेल प्रभावित हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया। साथ ही हितग्राहियों एवं उनके परिजनों को नियमित उपचार, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र की प्रक्रिया तथा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर का आयोजन यूनिसेफ एवं एमसीसीआर ट्रस्ट के तकनीकी सहयोग से किया गया। इस पहल से सिकल सेल प्रभावित हितग्राहियों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं के साथ शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी।



इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री मनीष मेजरवार, जिला नोडल अधिकारी डॉ. सत्यनारायण पांडे, सिविल सर्जन डॉ. संजय कुमार सहित स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, चिरायु दल तथा यूनिसेफ एवं एमसीसीआर ट्रस्ट के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सेवा सेतु पोर्टल पर अब केंद्रीय ओबीसी और एससी/एसटी प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। डिजिटल सुशासन को मजबूत करने और नागरिक सेवाओं का विस्तार करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन ने सेवा सेतु पोर्टल पर दो नई सेवाएँ जोड़ी हैं। अब नागरिक इस पोर्टल पर केंद्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र और केंद्रीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इन दोनों सेवाओं में आवेदन के साथ आय प्रमाण और पंचनामा सहित स्थायी जाति प्रमाण पत्र लगाना अनिवार्य होगा। आवेदनों के निराकरण के लिए 7 दिन की समय सीमा तय की गई है। इससे नागरिकों को केंद्रीय स्तर पर उपयोग होने वाले जाति प्रमाण पत्र तय समय में मिल सकेंगे।





भरे घर में अकेले लोग

इस आधुनिक जीवनशैली में जिस तरह रहन-सहन बदला है, हम अपनों से दूर होते जा रहे हैं। परिवार में साथ रहते हुए भी, साथ नहीं हैं। इसके पीछे क्या कारण हैं? घर-परिवार में कैसे अपनापन बना रहे, इसके लिए सबकी इच्छाशक्ति और प्रयास जरूरी हैं।

कवर स्टोरी



पूर्ति खरे, साहित्यकार

आभा का घर भोपाल में है। सुबह के आठ बजे हैं। रसोई में वह चाय बना रही है, एक कमरे में उसका बेटा लैपटॉप पर काम कर रहा है, दूसरे में बेटी ऑनलाइन क्लास कर रही है, उधर ड्रॉइंग रूम में आभा के पति दीपक टीवी देख रहे हैं। घर के एक कमरे में आभा के सास-ससुर अकेले बैठे अपने पुराने दिनों की यादों में खोए हुए हैं। घर में सब कुछ सामान्य है, लेकिन आपसी बातचीत और जुड़ाव गायब है। आज कई घरों की यही हकीकत है। लोग एक छत के नीचे तो रहते हैं, लेकिन भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से जुड़े नहीं होते हैं। यह एक चिंताजनक स्थिति है।

खो रही है रिश्तों की गर्माहट

इस नए जमाने में तकनीक ने हमारी जिंदगी को आसान जरूर बनाया है, लेकिन भौतिक सुविधाओं ने रिश्तों की सहजता कम की है, अपनापन पीछे छूट रहा है। कभी परिवार के सदस्य रात को साथ बैठकर दिन भर की बातें साझा करते थे, लेकिन अब ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने बीतता है। हमने जीवन को सुविधाजनक तो बना लिया, लेकिन इसके चलते कहीं न कहीं रिश्तों की गर्माहट खो रही है।

बुजुर्गः अपने ही घर में पराए

बदले हुए इस दौर में सबसे गहरा असर घर के बुजुर्गों पर पड़ा है। वे जो कभी घर की धुरी हुआ करते थे, आज एक कोने में सिमटे नजर आते हैं। उनके पास अनुभवों का खजाना है, जीवन की कहानियां हैं, लेकिन उन्हें सुनने का समय किसी के पास नहीं है। उनकी बातें 'पुराने जमाने' की कहकर टाल दी जाती हैं, उनके सुझाव जरूरी नहीं समझे जाते। दिन भर घर में रहते हुए भी वे अकेलेपन का अनुभव करते हैं। वे इंतजार करते हैं कि कोई उनके पास आकर बैठे, दो शब्द अपनेपन के बोले। यह स्थिति केवल एक पीढ़ी की उपेक्षा नहीं, हमारी संवेदनाओं के क्षरण के संकेत हैं।

डिजिटल जुड़ाव का भ्रम

कहने को आज हम पहले से कहीं ज्यादा 'कनेक्टेड' हैं। एक क्लिक पर हम दुनिया के किसी भी कोने से जुड़ सकते हैं, लेकिन यह जुड़ाव केवल तकनीकी है, भावनात्मक नहीं। घर में चार लोग बैठकर भी एक-दूसरे से बात नहीं करते, क्योंकि हर किसी के हाथ में अपना-अपना मोबाइल है। बच्चे अपने माता-पिता से ज्यादा स्क्रीन के साथ समय बिताते हैं। युवा अपने दोस्तों से मिलते कम हैं, चैट ज्यादा करते हैं। यह डिजिटल दुनिया इस भ्रम में रखती है कि हम अकेले नहीं हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हम धीरे-धीरे अपने करीबी लोगों से दूर होते जा रहे हैं।



मायने रखेंगे ये छोटे-छोटे प्रयास

घर-परिवर में कम होते अपनेपन को संभालना कठिन नहीं है, बस इसके लिए जागरूकता और इच्छाशक्ति की जरूरत है। दिन में कुछ समय ऐसा तय करें, जब पूरा परिवार बिना किसी स्क्रीन के साथ बैठे। बातचीत की आदत को फिर से जीवित करें। बच्चों के साथ खेलें, बुजुर्गों के साथ बैठें और उनकी बातें सुनें। 'समय नहीं है' की जगह 'समय निकालना है' की सोच अपनाएं। ये छोटे-छोटे प्रयास ही रिश्तों में बड़ी गर्माहट लौटा सकते हैं।





बचपनः आंगन से स्क्रीन तक

आज बच्चों का बचपन आंगन में नहीं, मोबाइल और टैबलेट की स्क्रीन में सिमटता जा रहा है। जहां पहले खेल, दोस्तों की टोली और दादी-नानी की कहानियां होती थीं, आज वहां वीडियो गेम और वर्चुअल दुनिया ने जगह ले ली है। बच्चे संवाद की कला सीखने से पहले ही स्क्रॉल करना सीख जाते हैं। वे भावनाओं को समझने से पहले ही तकनीक को समझने लगते हैं। इसे अपना लेते हैं, यह बदलाव केवल वर्तमान को नहीं, आने वाले समाज को भी प्रभावित करेगा।

युवा पीढ़ीः भीड़ में अकेले

युवा पीढ़ी भी अकेलेपन और खालीपन से अछूती नहीं है। उसके पास करियर का दबाव है, सफलता की दौड़ है और सोशल मीडिया पर परफेक्ट दिखने की होड़ भी है। युवा अपनी गतिविधियों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हैं, लाइक और कमेंट पाते हैं, लेकिन जब दिल की बात कहने की बारी आती है, तो शब्द कहीं खो जाते हैं। युवा पीढ़ी के पास हजारों कनेक्शन हो सकते हैं, पर सच्चे अर्थों में जुड़ाव बहुत कम होता है। यह अकेलापन दिखाई नहीं देता, लेकिन भीतर गहराई तक महसूस होता है।

साथ और जुड़ाव का अंतर

हमने साथ रहना और जुड़े रहने को एक ही मान लिया है, जबकि दोनों में गहरा अंतर है। साथ रहना भौतिक स्थिति है- एक ही घर, एक ही छत। जबकि जुड़ाव भावनात्मक स्थिति है- एक-दूसरे को समझना, सुनना और महसूस करना। आज हम अपने घरों में साथ तो हैं, लेकिन जुड़ाव कम दिखता है। यही दूरी धीरे-धीरे हमारे भीतर एक खालीपन का रूप ले लेती है।

तय करनी होगी सही दिशा

यह केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक बदलाव का विषय है। हमें तय करना होगा कि हम किस दिशा में जाना चाहते हैं। क्या हम अपने बच्चों को केवल तकनीकी देना चाहते हैं या रिश्तों की समझ भी? क्या हम अपने बुजुर्गों को केवल एक कमरा देना चाहते हैं या उनका सम्मान और साथ भी? क्या हम जीवन को केवल सुविधाजनक बनाना चाहते हैं या उसे संवेदनशील भी बनाए रखना चाहते हैं? इन सवालों के जवाब ही हमारे समाज का भविष्य तय करेंगे। घर केवल ईंट, सीमेंट और साज-सज्जा से नहीं बनता। घर बनता है बातों से, हंसी से, साझा पलों से और रिश्तों की गर्माहट से।

आज से करें सुधार की शुरुआत

अगर हमारे घरों में भावनात्मक दूरी बढ़ रही है, तो उसे कम करने की शुरुआत आज से ही करनी होगी, क्योंकि जिंदगी की असली खुशी केवल सुविधाओं और उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उन रिश्तों में छिपी होती है, जहां हमें सुना, समझा और अपनाया जाता है। घर तभी सच मायने में जीवंत बनता है, जब उसमें रहने वाले लोग सिर्फ साथ नहीं रहते, एक-दूसरे से दिल से जुड़े भी रहते हैं।

किसी का दिल जीतने के लिए कुछ बड़ा करने की जरूरत नहीं होती। छोटी-छोटी बातें भी किसी के दिल में आपकी अमिट छाप छोड़ सकती हैं। ये बातें कौन सी हो सकती हैं, जानें।

छोटी-छोटी वो आदतें जो जीत लेती हैं दिल

बिहेवियर

अंजू जैन



किसी का दिन बेहतर बनाने के लिए हमेशा बड़े कामों की जरूरत नहीं होती। कभी मुस्कुराकर बात करना, किसी की परेशानी ध्यान से सुनना, समय पर धन्यवाद देना या किसी अनजान वृद्ध व्यक्ति के लिए दरवाजा खोल देना भी सामने वाले के मन में सम्मान और अपनेपन के भाव पैदा कर सकता है। मधुर और मजबूत रिश्तों का ताना-बाना, छोटी-छोटी संवेदनशीलताओं से ही बुना होता है। आइए, जानते हैं ऐसी छोटी बातें, जो दिलों में अपनापन और सम्मान बढ़ाती हैं।

धन्यवाद कहने में कंजूसी ना करें: किसी ने आपके लिए चाय बनाई, जरूरी कागज ढूंढने में मदद की या फिर कोई छोटा-सा काम कर दिया, तो उसे धन्यवाद जरूर कहें। यह सामने वाले के प्रयास को सराहने का एक प्यारा-सा तरीका है।

सामने वाले की बात पूरी सुनें: बातचीत के दौरान बार-बार मोबाइल देखना, बीच में टोकना या अपनी बात कहने की जल्दबाजी सामने वाले को उपेक्षित महसूस करा सकती है। किसी को ध्यान से सुनना, यह जताता है कि उसके विचार और भावनाएं आपके लिए बहुत मायने रखती हैं।

मुस्कान को आदत बनाएं: एक सहज मुस्कान अनजान लोगों के बीच भी संवाद की शुरुआत कर सकती है। कार्यालय कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी, सफाईकर्मी, दुकानदार या पड़ोसी से मुस्कुराकर बात करना, हमारे व्यक्तित्व की सहजता को दर्शाता है। यह ना भूलें कि छोटी-सी आत्मीयता किसी के तनावपूर्ण दिन को हल्का बना सकती है।

दूसरों के समय का सम्मान करें: समय पर पहुंचना, काम तय समय में पूरा करना और मुलाकात को अनावश्यक बड़ा ना करना, आपके अच्छे व्यवहार का हिस्सा है। देर होने पर पहले ही सूचना देना, दूसरों के समय को महत्व देना भी जिम्मेदारी और सम्मान का संकेत है।

छोटी-छोटी मदद करना: बस या रेल में जरूरतमंद को सीट देना, बुजुर्ग को रास्ता पार कराने में मदद करना, भारी सामान उठाने में हाथ बंटाना या नए कर्मचारी को काम समझाना, ये बातें छोटी जरूर लग सकती हैं, लेकिन जरूरत के समय मिली मदद लंबे समय तक याद रहती है।

दिल खोलकर करें तारीफ: किसी ने अच्छा काम किया है, तो उसकी सच्ची प्रशंसा करने में कभी संकोच न करें। प्रशंसा व्यक्ति का उत्साह बढ़ाती है। अगर गलती बतानी हो, तो सबके सामने अपमानित करने के बजाय उचित समय पर शालीनता से बात करें। काम की आलोचना करें, व्यक्ति के सम्मान को ठेस न पहुंचाएं।

हर व्यक्ति के प्रति संवेदनशील रहें: हमारा व्यवहार केवल परिचितों या प्रभावशाली लोगों तक सीमित नहीं होना चाहिए। घर में काम करने वाले व्यक्ति, डिलीवरी कर्मचारी, चालक, सुरक्षाकर्मी और छोटे दुकानदार भी सम्मान के अधिकारी हैं। असहमति के बावजूद हमें अपमानजनक भाषा से बचना चाहिए। किसी की सामाजिक या आर्थिक स्थिति देखकर व्यवहार बदलना सही नहीं।

कृतज्ञता और क्षमा को अपनाएं: रिश्तों में गलतफहमियां होना स्वाभाविक है। हर छोटी बात पर नाराजगी पालने के बजाय संवाद का रास्ता अपनाएं। गलती हो तो बिना बहाने के माफी मांगें और उचित क्षमा-याचना स्वीकार करने का प्रयास करें। दूसरों के सहयोग के प्रति आभार जताएं।



छोटी बातों में भी भरोसेमंद बनें

किसी से किया वादा निभाना, उधार ली वस्तु समय पर लौटाना, गोपनीय बात सुरक्षित रखना और अपनी गलती स्वीकार करना विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। छोटे-छोटे वादे निभाना ही विश्वसनीयता का प्रमाण है।



महिलाओं के साथ हिंसा सिर्फ उन्हें शारीरिक रूप से ही नहीं चोटिल करती, मानसिक यंत्रणा का शिकार भी बनाती है। इस हिंसा के पीछे क्या कारण हैं, यह कैसे बंद हो, इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। साथ ही इसे रोकने के लिए एकजुट आवाज उठाने की भी आवश्यकता है।

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा बिगाड़ती है मानसिक-शारीरिक सेहत

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा



वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन और इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च के मुताबिक वॉयलेंस और मेंटल हेल्थ के बीच बहुत गहरा संबंध है। ऐसे में इंटरनेशनल-डे फॉर द एलिमिनेशन ऑफ वॉयलेंस अगेंस्ट वुमेन (25 नवंबर), महिलाओं के मान-सम्मान को बचाने से ही नहीं सेहत सहेजने से जुड़ी सजगता लाने का भी दिन है। असल में अपमानजनक भाषा हो या शरीर पर पड़ी मार, हिंसा के घाव केवल शरीर पर ही नहीं, मन-मस्तिष्क पर भी पड़ते हैं। आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाला यह बर्ताव स्त्रियों के मन को बहुत बीमार कर देता है। उन्हें तनाव, डिप्रेशन और अकेलेपन का शिकार बना देता है। इसीलिए महिलाओं के खिलाफ वॉयलेंस की वजह से उनकी फिजिकल-मेंटल हेल्थ बिगड़ने से जुड़े पहलुओं को समझना जरूरी है।

मन की सेहत पर दुष्प्रभाव : हिंसा, वर्बल हो या फिजिकल, मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करती है। ऐसे दुर्व्यवहार से पीटीएसडी यानी पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर और घबराहट जैसी तकलीफें घेर लेती हैं। डिप्रेशन, एंग्जाइटी और आत्महत्या जैसे विचार मन में जगह बनाने लगते हैं। हर समय एक डर और हिचक मन में बनी रहती है। अध्ययन बताते हैं कि किसी भी तरह की हिंसा झेलने वाली महिलाओं में पीटीएसडी होने का जोखिम 7 गुना ज्यादा होता है। असल में वॉयलेंस का माध्यम भाषा हो या बर्ताव, हिंसा का आघात केवल चोट करते समय ही नहीं लगता। अपमान की यह टीस हर समय पीड़ित महिला के मन में बनी रहती है। इस ट्रॉमा से हार्मोनल बदलाव और वैचारिक कंफ्यूजन से लेकर मानसिक थकान तक, बहुत-सी परेशानियां पैदा होती हैं। नींद और भूख कम हो जाती है। डरावने सपने आते हैं। गैसलाइटिंग और ब्लेमिंग भी हिंसक व्यवहार ही होता है। इसका सामना करने वाली महिलाएं फोकस्ड नहीं रह पातीं। अपने हों या पराए, किसी पर विश्वास नहीं कर पातीं। मन दुखाते वॉयलेंट व्यवहार के अपमान से जूझती महिलाओं को कई बार नशे की लत भी लग जाती है। सभी बातों का पूरा पैटर्न मानसिक और भावनात्मक रूप से टूटने का कारण बनता है। शर्मिंदगी के कारण कई स्त्रियां तो खुद को दोषी मानने लगती हैं।

शारीरिक स्वास्थ्य पर असर: महिला के साथ होने वाली हिंसा उन्हें कई शारीरिक बीमारियों का भी शिकार बनाती है। शरीर पर लगने वाली चोट के इंफेक्शन से लेकर, फ्रेक्चर, जलन आदि स्पष्ट देखी जा सकने वाली तकलीफों के अलावा यौन हिंसा के आघात से रक्तस्राव और गर्भपात होने के मामले तक सामने आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अध्ययन के अनुसार अपने साथी द्वारा हिंसा की शिकार महिलाओं में गर्भपात होने की संभावना भी दोगुनी होती है। मेंटल स्ट्रेस से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और पाचन की गड़बड़ी जैसी परेशानियां होने लगती हैं। कई महिलाएं अवसाद के कारण ओवरईटिंग करने लगती है।

सामाजिक जीवन का बिखराव : शारीरिक या मनोवैज्ञानिक हिंसा झेलने वाली महिलाएं खुद तक सिमटकर रहने लगती हैं। अपने सामाजिक संबंधों से भी दूर हो जाती हैं। मन-जीवन की टूटन वाली यह स्थिति कई बीमारियों की जड़ बनती है। इसलिए यह बहुत जरूरी है समाज में महिलाओं के साथ हिंसा शारीरिक हो या मानसिक, इसके विरुद्ध सभी को एकजुट होकर पुरजोर आवाज उठानी चाहिए।

मेडिकल सजेशन

डॉ. राजीव चौधरी

जनरल फिजिशियन, नई दिल्ली

पॉल्यूशन से बचने के लिए बरतें ये जरूरी सावधानियां

इन दिनों कई शहरों में बढ़ता वायु प्रदूषण केवल सांस संबंधी बीमारियों का कारण नहीं, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हार्मफुल हो सकता है। खासकर काम-काजी महिलाओं को रोजाना ऑफिस आने-जाने के दौरान ट्रैफिक के धुएं, धूल और प्रदूषक कणों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सिर्फ मास्क पहनना काफी नहीं है, बल्कि सेहत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ सावधानियां बरतना भी जरूरी है।

इग्नोर न करें: लगातार खांसी, सांस फूलना, सीने में जकड़न, आंखों में जलन, असामान्य थकान या सिरदर्द को सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। विशेष रूप से अस्थमा, एलर्जी, हृदय रोग या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित महिलाओं को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। यदि सांस लेने में परेशानी या सीने में दर्द हो, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक्स, एलर्जी की दवाएं या इनहेलर का इस्तेमाल न करें।



समय का रखें ध्यान: वर्किंग वूमेन को जहां तक संभव हो, अत्यधिक प्रदूषण वाले समय में बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि संभव हो तो ऑफिस के समय में थोड़ा बदलाव करें।

सही मास्क का करें इस्तेमाल: सामान्य कपड़े या सर्जिकल मास्क प्रदूषण के बेहद महीन कणों से पूरी सुरक्षा नहीं देते। बाहर निकलते समय अच्छी गुणवत्ता वाला, सही फिटिंग का N95 या समकक्ष प्रमाणित मास्क पहनना अधिक प्रभावी हो सकता है। मास्क से नाक और मुंह को अच्छी तरह ढंकना चाहिए तथा चेहरे पर ढीला नहीं होना चाहिए। मास्क को स्वच्छ रखना भी जरूरी है।

शरीर को हाइड्रेटेड रखें: प्रदूषण के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। पर्याप्त पानी पीना शरीर के सामान्य काम-काज को बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ ही मौसमी फल, हरी सब्जियां, आंवला, अमरूद, संतरा और अन्य पोषक खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करें। विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर खाद्य पदार्थ शरीर की सामान्य प्रतिरक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने में सहायक होते हैं।

हवा को भी रखें साफः यह मानना गलत है कि प्रदूषण का खतरा केवल बाहर ही होता है। घर और ऑफिस के अंदर भी धूल, धुआं, खराब वेंटिलेशन और अन्य प्रदूषक मौजूद हो सकते हैं। संभव हो तो घर और ऑफिस में उपयुक्त क्षमता वाला एयर प्यूरीफायर इस्तेमाल करें।

आउटडोर एक्सरसाइज से बचें: स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम जरूरी है, लेकिन अधिक प्रदूषण के दौरान बाहर दौड़ना, साइकिल चलाना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए एयर क्वालिटी खराब होने पर घर के अंदर रहते हुए ही हल्की एक्सरसाइज करना सही रहता है।

प्रस्तुतिः निकिता चौहान

हेयर केयर

प्रीति गुप्ता

कई महिलाओं का मानना है कि रात में सोते समय बाल बंधे होने चाहिए, जबकि कुछ खुले बालों के साथ सोना सही मानती हैं। सोते समय बालों की देखभाल का सही तरीका क्या हो, जानिए।

क्या आप जानती हैं सोते समय बाल बंधे होने चाहिए या खुले

सोने से पहले बालों को खुला छोड़ना चाहिए या बांधकर सोना चाहिए? यह सवाल अकसर महिलाओं के मन में रहता है। कुछ लोगों का मानना है कि बाल खोलकर सोने से उन्हें ज्यादा हवा मिलती है, जबकि कुछ लोग बालों को बांधकर सोना बेहतर समझते हैं। दरअसल, दोनों तरीकों के अपने फायदे और नुकसान हो सकते हैं। बालों को किस तरह बांधा जा रहा है और कितनी कसावट से बांधा जा रहा है, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है।

सही नहीं बालों को टाइट बांधना: रात में बालों को बहुत कसकर बांधकर सोने से बालों की जड़ों पर खिंचाव पड़ सकता है। इससे बाल टूटने और हेयरलाइन के आस-पास तनाव बढ़ने की समस्या हो सकती है। इसलिए अगर बाल बांधकर सोना है, तो उन्हें ढीली पोनीटेल, ढीली चोटी या हल्के जूड़े में रखना बेहतर विकल्प हो सकता है। खासकर रबर बैंड या बहुत टाइट हेयर टाई से बाल बांधने से बचना चाहिए। रात भर एक ही जगह पर लगातार दबाव पड़ने से बालों के टूटने की संभावना बढ़ सकती है।

खुले बाल के साथ सोना: बालों को पूरी तरह खुला रखकर सोने से भी हर किसी को फायदा हो, ऐसा जरूरी नहीं है। खुले हुए लंबे बाल तकिए से बार-बार रगड़ खा सकते हैं, जिससे बाल उलझ सकते हैं और टूटने की समस्या बढ़ सकती है। करवट बदलते समय बालों में खिंचाव भी पड़ सकता है। इसलिए लंबे या घने बालों को सोने से पहले हल्के हाथों से सुलझाकर ढीली चोटी करना आरामदायक विकल्प हो सकता है।





लंबाई के अनुसार चुनें स्टाइल: छोटे बालों को खुला रखकर सोना आमतौर पर आसान होता है। वहीं, लंबे बालों के लिए ढीली चोटी एक अच्छा विकल्प हो सकती है। घुंघराले या वेवी बालों को बहुत कसकर बांधने से उनका प्राकृतिक पैटर्न प्रभावित हो सकता है। ऐसे बालों को ढीले तरीके से बांधना बेहतर हो सकता है।

यूज करें हेयर टाईः रात में बाल बांधते समय बहुत पतले और कसे हुए रबर बैंड की जगह मुलायम फैब्रिक स्क्रंची या सॉफ्ट हेयर टाई का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे बालों पर पड़ने वाला खिंचाव कम हो सकता है। हेयर टाई को इतना ढीला रखें कि बालों में खिंचाव या स्कैल्प पर दर्द महसूस न हो।

तकिए का कवर हो सहीः बालों की देखभाल सिर्फ हेयर स्टाइल तक सीमित नहीं है। सोते समय तकिए का कवर भी बालों पर असर डाल सकता है। बहुत खुरदरे कपड़े वाले पिलो कवर से बालों में घर्षण बढ़ सकता है, जिससे बाल उलझने और टूटने की समस्या हो सकती है। इसलिए साफ और मुलायम तकिए के कवर का इस्तेमाल करना बेहतर है।

इन बातों का रखें ध्यानः रात में सोने से पहले बालों की देखभाल के लिए यहां बताई जा रही कुछ आसान आदतें अपनाई जा सकती हैं। जैसे-बालों को धीरे-धीरे कंघी करके सुलझाएं। गीले बालों के साथ सोने से बचें। सोते समय बाल बांधते समय ढीली चोटी या पोनीटेल बनाएं। बहुत टाइट रबर बैंड का इस्तेमाल न करें। बालों को खींचकर या कसकर जूड़ा न बनाएं। तकिए के कवर को नियमित रूप से साफ रखें।

(हेयर एक्सपर्ट राहुल शर्मा से बातचीत पर आधारित)

चिंतन

हवा में जहर, पानी में रसायन आखिर कहां सुरक्षित हैं हम

देश में विकास और आधुनिक जीवनशैली की चमक के बीच एक ऐसा संकट गहराता जा रहा है, जिसकी कीमत आम आदमी अपनी सेहत और जीवन से चुका रहा है। महानगरों में सांस लेना मुश्किल होता जा रहा है और अब बोतलबंद पानी की शुद्धता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। दिल्ली ही नहीं, मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, लखनऊ और देश के दूसरे बड़े शहरों में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है। विडंबना देखिए कि जिस मुंबई को समुद्री हवाओं और खुले वातावरण के कारण अपेक्षाकृत साफ हवा वाला शहर माना जाता था, वहां भी वायु गुणवत्ता दिल्ली से खराब होने पर बॉम्बे हाईकोर्ट को चिंता जतानी पड़ी। दूसरी ओर, देश के सबसे प्रतिष्ठित बोतलबंद पानी के ब्रांडों में शामिल बिसलेरी के एक नमूने को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने असुरक्षित घोषित किया है। ये दोनों घटनाएं मिलकर एक बड़ा सवाल खड़ा करती हैं कि आखिर इस देश में आम नागरिक के लिए साफ हवा और सुरक्षित पानी की गारंटी कौन देगा? वायु प्रदूषण अब किसी एक शहर या मौसम की समस्या नहीं रह गया है। सर्दियों में दिल्ली-एनसीआर की दमघोंटू हवा हर साल सुर्खियां बनती हैं, लेकिन मुंबई जैसे तटीय शहर में भी प्रदूषण का बढ़ता स्तर बताता है कि समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान नगर निकायों और सरकारी एजेंसियों की निष्क्रियता पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने सड़क किनारे कच्चे हिस्सों से उड़ती धूल को गंभीर आपात स्थिति बताते हुए नियमित सड़क सफाई, निर्माण मलबे के वैज्ञानिक निपटान और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर नियंत्रण के निर्देश दिए हैं। हवा के बाद अब पानी की शुद्धता पर उठे सवाल और भी चिंताजनक हैं। एफएसएसएआई ने बिसलेरी इंटरनेशनल के गोवा संयंत्र से लिए गए एक नमूने में निर्धारित सीमा से अधिक ब्रोमेट मिलने और जांच में पॉलीन्यूक्लियर एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन की मौजूदगी के आधार पर उत्पाद को असुरक्षित बताया है। नियामक ने कंपनी के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी भी दी है। हालांकि बिसलेरी का कहना है कि मामला सितंबर 2025 में तैयार किए गए एक बैच का है। कंपनी के अनुसार शुरुआती जांच में छह नमूनों में से पांच निर्धारित मानकों पर खरे उतरे थे और छठे में ब्रोमेट की मात्रा निर्धारित सीमा से मामूली अधिक थी। कंपनी ने बाद की स्वतंत्र जांच में ब्रोमेट निर्धारित सीमा के भीतर पाए जाने का दावा किया है। उसका यह भी कहना है कि उसे हालिया कार्रवाई के संबंध में कोई औपचारिक नोटिस नहीं मिला। इस मामले में कंपनी और नियामक के दावों के बीच अंतर को देखते हुए निष्पक्ष और पारदर्शी जांच जरूरी है। ब्रोमेट जल शोधन की प्रक्रिया में उप-उत्पाद के रूप में बन सकता है और इसके लंबे समय तक सेवन को स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण माना जाता है। लेकिन प्रतिष्ठित ब्रांड के मामले में भी गुणवत्ता संबंधी सवाल उठना खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर परीक्षा है। जांच के नमूने, प्रयोगशालाओं के निष्कर्ष और कंपनी के जवाब सार्वजनिक होने चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं का भरोसा बना रहे। सरकार को सभी कंपनियों के संयंत्रों और उत्पादों की नियमित, स्वतंत्र और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करनी चाहिए। मानकों के उल्लंघन पर दंडात्मक कार्रवाई ऐसी हो कि कंपनियों के लिए गुणवत्ता से समझौता करना महंगा साबित हो। दरअसल, स्वच्छ हवा और सुरक्षित पानी को महज पर्यावरण या खाद्य सुरक्षा का तकनीकी विषय मानना भूल होगी। ये नागरिकों के जीवन और स्वास्थ्य से जुड़े बुनियादी अधिकार हैं।

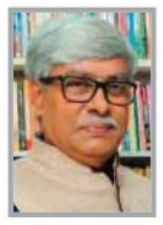

मुद्दा
ओमकार चौधरी

परिसीमन पर सियासी घमासान

संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त 2026 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था, लेकिन उसका औपचारिक सत्रावसान अब तक नहीं हुआ है। 21 नवंबर को इस स्थिति के सौ दिन पूरे हो गए। भारतीय संसदीय इतिहास में यह असामान्य घटनाक्रम है। सामान्यतः संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद राष्ट्रपति द्वारा सत्रावसान की अधिसूचना जारी कर दी जाती है। इस बार ऐसा नहीं हुआ। इसका अर्थ है कि सरकार निर्धारित प्रक्रिया अपनाकर उसी सत्र की बैठक दोबारा बुला सकती है। सवाल यह है कि मानसून सत्र को इतने लंबे समय तक औपचारिक रूप से समाप्त क्यों नहीं किया गया? क्या इसके पीछे महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन को दोबारा संसद में लाने की तैयारी है? विपक्ष विशेषकर कांग्रेस इन्हीं सवालों को उठा रही है। इस घटनाक्रम को समझने के लिए अप्रैल में लौटना होगा। केंद्र सरकार ने 16 अप्रैल को लोकसभा में संविधान का 131वां संशोधन विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्रशासित प्रदेशों से संबंधित विधेयक प्रस्तुत किए थे। इनका उद्देश्य महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था को प्रभावी बनाना और लोकसभा तथा विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण का रास्ता खोलना था।

प्रस्ताव में लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने की व्यवस्था थी। सरकार चाहती थी कि महिला आरक्षण आगामी लोकसभा चुनाव से प्रभावी हो सके। लेकिन 17 अप्रैल को संविधान संशोधन आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर पाया। कुल 528 सांसदों ने मतदान किया। पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े। संविधान संशोधन पारित करने के लिए कम से कम 352 वोट आवश्यक थे। इस प्रकार सरकार 54 वोटों से पीछे रह गई। इसके बाद संबंधित दोनों अन्य विधेयक भी वापस ले लिए गए। पिछले सात महीनों में संसद का राजनीतिक गणित काफी बदल गया है। आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना बड़े स्तर पर टूट हुई। इन घटनाओं से भाजपा तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संसदीय समर्थन में वृद्धि हुई है। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल हो गए। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। जून में उसके 20 लोकसभा सांसदों ने अलग गुट बनाकर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया से जुड़ने और एनडीए को समर्थन देने की घोषणा की। हालांकि इनके दल-बदल को लेकर तृणमूल कांग्रेस की अयोग्यता याचिकाओं पर संसदीय प्रक्रिया चलती रही। इस कारण समर्थन की घोषणा और कानूनी रूप से मान्य विलय में अंतर करना आवश्यक है। तृणमूल के चार राज्यसभा सांसदों ने भी अलग-अलग समय पर इस्तीफे दिए और भाजपा में शामिल हुए। महाराष्ट्र में 22 जून को उद्धव ठाकरे की शिवसेना के छह लोकसभा सांसद एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए। इससे उद्धव गुट की लोकसभा संख्या नौ से घटकर तीन रह गई। इन घटनाओं को जोड़ने पर विपक्षी दलों के 37 सांसदों के पाला बदलने का चित्र सामने आता है। हालांकि सभी सीधे भाजपा में शामिल नहीं हुए और सभी मामलों की संसदीय स्थिति एक जैसी नहीं है। इसलिए

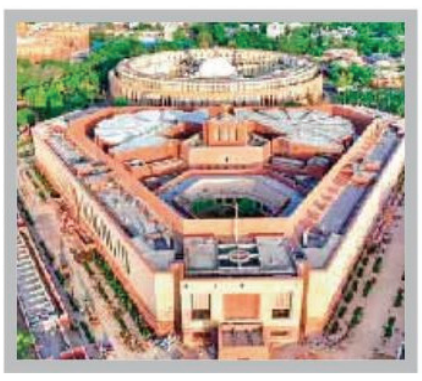

इस संख्या को भाजपा की सदस्य संख्या में सीधे जोड़ना उचित नहीं होगा। भाजपा सूत्रों ने लोकसभा में एनडीए और उसके समर्थकों की संख्या लगभग 320 तथा राज्यसभा में 155 बताई। दूसरी रिपोर्टों में लोकसभा की संख्या 319 भी बताई गई है। यह अंतर बताता है कि औपचारिक गठबंधन सदस्यता और बाहर से समर्थन देने वालों की गणना में सावधानी आवश्यक है। संविधान संशोधन के लिए प्रत्येक सदन की कुल सदस्य संख्या का बहुमत और उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई मत आवश्यक हैं। यदि लोकसभा के सभी 543 सदस्य मतदान करें, तो 362 वोट चाहिए होंगे। इस स्थिति में 320 समर्थकों वाली सरकार को 42 अतिरिक्त वोटों की आवश्यकता पड़ेगी। इसीलिए समाजवादी पार्टी, डीएमके और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की भूमिका पर निगाहें टिकी हैं। समाजवादी पार्टी के 37, डीएमके के 22 और शरद पवार की पार्टी के आठ लोकसभा सांसद हैं। तीनों के कुल 67 सांसद होते हैं। यदि ये दल समर्थन करें, तो सरकार का काम आसान हो सकता है। लेकिन अभी किसी ने नए प्रस्ताव पर बिना शर्त समर्थन घोषित नहीं किया है। डीएमके दक्षिणी राज्यों की संसदीय हिस्सेदारी सुरक्षित रखने की गारंटी चाहती है। शरद पवार की पार्टी में भी सभी राज्यों की सीटें समान अनुपात में बढ़ाने जैसे विकल्पों पर चर्चा हुई है। समाजवादी पार्टी के संभावित रुख को लेकर भाजपा सूत्रों के आकलन सामने आए हैं, लेकिन अखिलेश यादव की ओर से सहमति की पुष्टि नहीं हुई है। राज्यसभा में बीजू जनता दल, वाईएसआर कांग्रेस, बीआरएस, बसपा तथा निर्दलीय सांसदों की संभावित भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है। समर्थन के अलावा मतदान से अनुपस्थित रहने का फैसला भी संविधान संशोधन के गणित को प्रभावित कर सकता है। लेकिन संभावनाओं को निश्चित समर्थन मान लेना जल्दबाजी होगी। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने 14 नवंबर को सवाल उठाया कि महिलाओं को आरक्षण देने के नाम पर व्यापक परिसीमन क्यों कराया जा रहा है? उनका कहना है कि यदि उद्देश्य महिलाओं को संसद में एक-तिहाई प्रतिनिधित्व देना है, तो मौजूदा 543 सीटों में से ही एक-तिहाई सीटें आरक्षित की जा सकती हैं। इसके लिए लोकसभा की सदस्य संख्या बढ़ाना अनिवार्य नहीं है। उन्होंने सरकार से प्रस्तावित विशेष संसदीय बैठक और नए विधेयक की स्थिति स्पष्ट करने की भी मांग की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस विवाद को संसद के सत्रावसान में हो रही देरी से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए सौ दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन उसका सत्रावसान नहीं किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बहुमत जुटाने के तरीके पर भी उन्होंने सवाल उठाए। हालांकि इस राजनीतिक आरोप को प्रमाणित तथ्य नहीं माना जा सकता। अब प्रश्न है कि सरकार अप्रैल में असफल हो चुके प्रस्ताव को किस रूप में वापस लाएगी। क्या वह संसदीय संख्याबल के आधार पर संशोधन पारित कराने का प्रयास करेगी अथवा विपक्षी दलों की आपत्तियों के समाधान के लिए नया प्रारूप तैयार होगा? क्या क्षेत्रीय दल राज्यों का प्रतिनिधित्व सुरक्षित रखने की संवैधानिक गारंटी मिलने पर समर्थन देंगे? और क्या महिला आरक्षण को व्यापक परिसीमन से अलग करके कोई सहमति बन सकती है? इन सवालों के उत्तर सरकार के अगले कदम और नए विधेयक की वास्तविक सामग्री से मिलेंगे। फिलहाल इतना स्पष्ट है कि अप्रैल की तुलना में संसदीय अंकगणित बदल चुका है, लेकिन महिला आरक्षण और परिसीमन पर राजनीतिक सहमति का प्रश्न अब भी अनसुलझा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

प्रकाश पर्व
मनोज वशिष्ठ



समतामूलक समाज का नानक-मॉडल

गुरु नानक का संदेश 557 साल बाद आज भी नया है। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और अंधविश्वास के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि न कोई हिंदू है, न कोई मुसलमान, सब इंसान हैं। आज जब दुनिया धर्म के नाम पर बंट रही है, तब गुरु नानक का संदेश और भी जरूरी हो जाता है। मानव इतिहास इस बात का गवाह है कि जब-जब समाज में वैचारिक जड़ता, पाखंड और ऊंच-नीच की दीवारें मानवीय संवेदनाओं का गला घोंटने लगती हैं, तब-तब इस धरा पर ऐसे महापुरुषों का प्राकट्य होता है जो लीक से हटकर एक नए और प्रबुद्ध समाज की नींव रखते हैं। मध्यकाल के उस संधिकाल में, जब धर्म और जाति के नाम पर इंसान को इंसान से काटा जा रहा था, तलवंडी की पावन माटी पर एक ऐसे युगदृष्टा का अवतरण हुआ जिन्होंने तलवार के बल पर नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा और सहज जीवन-दर्शन के बल पर पूरी दुनिया का मन जीत लिया। वे गुरु नानक देव थे। गुरु नानक का दर्शन एक ऐसा जीवंत और व्यावहारिक मॉडल है जो आज की उलझन भरी दुनिया में भी इंसान को इंसान से जोड़ने का सबसे अचूक सूत्र प्रदान करता है। उनके इस विराट दर्शन के तीन सबसे मजबूत और आधारभूत स्तंभ हैं- संगत, पंगत और 'सरबत दा भला'। 'संगत' केवल कुछ लोगों का एक स्थान पर एकत्र होना मात्र नहीं है। यह वैचारिक और आत्मिक एकात्मकता का वह



पवित्र मंच है, जहां किसी राजा और रंक, अमीर और गरीब, उच्च और निम्न का कोई भेद नहीं रहता। उस दौर में जहां समाज जातिगत सोपान में जकड़ा हुआ था, गुरु नानक ने एक ऐसा खुला आकाश रचा जहां हर प्राणी समान भाव से बैठ सकता था। संगत का अर्थ है- सत्संग, यानी सत्य के संग जुड़ना। जब विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोग एक ही छत के नीचे बैठकर समभाव से उस परम सत्य का स्मरण करते हैं, तो अहंकार की सारी दीवारें अपने आप ढह जाती हैं। यह सामाजिक समावेशन का पहला पाठ था। संगत के वैचारिक धरातल को व्यावहारिक धरातल पर जीवंत रूप देने वाली परंपरा थी- 'पंगत'। पंगत यानी 'एक ही पंक्ति'। यह करतारपुर की वह ऐतिहासिक प्रयोगशाला थी जहां गुरु नानक ने स्वयं हल चलाया, मेहनत की कमाई से अन्न उगाया और उस अन्न से तैयार भोजन को एक विशाल साझी रसोई (लंगर) के रूप में पिरोया। उस लंगर में जब कोई राजा अपनी राजसी पोशाक छोड़कर और कोई साधारण मजदूर एक ही कतार में जमीन पर बैठकर भोजन करते थे, तो वह क्षण समाजवाद की किसी भी किताबी परिभाषा से बहुत ऊपर उठकर एक मानवीय सत्य बन जाता था। पंगत ने छुआछूत और ऊंच-नीच की बीमारी पर सीधा और निर्णायक प्रहार किया। यह उद्घोष था कि भूख की कोई जाति नहीं होती। इस मॉडल की परिपूर्णता होती है तीसरे महामंत्र में-'सरबत दा भला'। इतिहास में अधिकांश आंदोलनों ने अपने अपनों के कल्याण की बात की। इसके विपरीत, सिख परंपरा की प्रत्येक अरदास का समापन इसी वैश्विक कामना से होता है -"नानक नाम चढ़दी कला, तेरे भाणे सरबत दा भला"। इसमें केवल अपने परिवार या देश का ही नहीं, बल्कि इस ब्रह्मांड के हर जीव और प्रकृति के हर घटक के कल्याण की प्रार्थना छिपी है। जिसकी चेतना में 'सरबत दा भला' बस जाता है, वह किसी से बैर नहीं रख सकता। आज 21वीं सदी में भौतिक उन्नति के बावजूद मनुष्य के भीतर दूरियाँ बढ़ती जा रही हैं। दुनिया जाति, मजहब, राष्ट्र और आर्थिक असमानता की दीवारों में फिर बंट रही है। ऐसे समय में यह 'नानक-मॉडल' हमारे लिए किसी प्रकाशस्तंभ से कम नहीं है। सच्चा मनुष्य वही है जो अपनी कमाई का एक हिस्सा जरूरतमंदों के साथ बांटे (वंड छके), श्रम की पवित्रता को समझे (किरत करे), और अंतःकरण में सबके कल्याण की भावना रखे। समतामूलक समाज किसी कानून या हुक्म से नहीं बनता, बल्कि हृदय के रूपांतरण और साझी संस्कृति से बनता है। आइए, इस पावन प्रकाश पर्व पर इस शाश्वत मॉडल को अपने आचरण में उतारें, क्योंकि जो मन को जीतता है, वही इस संसार को जीतता है और नानक ने अपने निश्छल प्रेम व सेवा से हमेशा-हमेशा के लिए इस पूरी मानवता का मन जीत लिया है।

(लेखक शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन बना और बिगाड़ सकती हैं ये चीजें

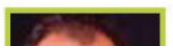

आम आदमी अपने दिन का पूरा समय इन दो जगहों पर बिताता है वो है घर या फिर दफ्तर में। जैसी व्यक्ति की संगति होती है वैसी ही उसकी मति हो जाती है। इसलिए जरूरी होता है कि व्यक्ति को हमेशा अपने लिए सही वातावरण चुनना चाहिए, जिससे वह सही पथ पर

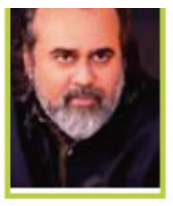

संकलित
दर्शन

चल। आचार्य प्रशांत के अनुसार, एक व्यक्ति किस आधार पर विवाह करता है या फिर कैसी संगति चुनता है। यह महत्व की बात है कि वह व्यक्ति किसके साथ रह रहा है। आप चाहे विवाह करके रह रहे हो या फिर बिना विवाह करके अपना जीवन व्यय कर रहा हो। ऐसे में व्यक्ति को जरूर हमेशा याद रखना चाहिए कि वह अपने जीवनसाथी का चयन किस आधार पर कर रहा है। हर एक छोटी बात जैसे कि वह व्यक्ति अब से लगातार मेरे कमरे में रहेगा? किसके शब्द लगातार पड़ने लग गए हैं तुम्हारे कानों में? इन चीजों को याद करके ही निर्णय लेना चाहिए। क्योंकि इसी बात पर तुम्हारी जिंदगी या तो बन जाएगी या बिल्कुल बर्बाद हो जाएगी। आचार्य प्रशांत आगे कहते हैं कि यहीं बात दफ्तर के लिए है कि दिन के आठ से दस घंटे आप किन लोगों की शक्लें देखते हैं या आर अपना बॉस बोलते हो, वो यूं ही है कोई सड़क का आदमी जो तुम्हारी जिंदगी पर अब अधिकार रखने लग गया है तो तुम बर्बाद हो जाओगे। यही बात दफ्तर के माहौल पर और धंधे की प्रकृति पर लागू होती है। तुम्हारी संस्था किस तरह का व्यवसाय करती है और तुम्हारे काम में किस तरह के लोग लगे हुए हैं?

कोयला और चंदन



चौधरी पहलवान का पूरा जीवन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित हुआ था। जब उनका अंतिम समय नजदीक आया तो उन्होंने अपने बेटे को पास बुलाया। बेटा पास आ गया तो उन्होंने उससे कहा-देखो बेटा, मैंने अपना सारा जीवन दुनिया को शिक्षा देने में गुजार



संकलित
प्रेरणा

दिया। अब अपन आतम समय म म तुम्ह कुछ जरूरा बात बताना चाहता हू। लाकन इसस पहले जरा तुम एक कोयला और चंदन का एक टुकड़ा उठा कर ले लाओ। बेटे को पहले तो यह बड़ा अटपटा लगा, लेकिन उसने सोचा कि अब पिता का हुक्म है तो यह सब लाना ही होगा। उसने रसोई घर से कोयले का एक टुकड़ा उठाया। संयोग से घर में चंदन की एक छोटी लकड़ी भी मिल गई। वह दोनों को लेकर अपने पिता के पास पहुंच गया। उसे आया देख पहलवान बोले- बेटा, अब इन दोनों चीजों को नीचे फेंक दो। बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दीं और हाथ धोने जाने लगा तो पहलवान बोले- जरा ठहरो बेटा। मुझे अपने हाथ तो दिखाओ। बेटे ने हाथ दिखाए तो वह उसका कोयले वाला हाथ पकड़ कर बोले, देखा तुमने। कोयला पकड़ते ही हाथ काला हो गया। लेकिन उसे फेंक देने के बाद भी तुम्हारे हाथ में कालिख लगी रह गई। गलत लोगों की संगति ऐसी ही होती है। उनके साथ रहने पर भी दुख होता है और उनके न रहने पर भी जीवन भर के लिए बदनामी साथ लग जाती है। दूसरी ओर सज्जनों का संग इस चंदन की लकड़ी की तरह है जो साथ रहते हैं तो दुनिया भर का ज्ञान मिलता है और उनका साथ छूटने पर भी उनके विचारों की महक जीवन भर बनी रहती है।

शीतलहर



आज की पाती

संसद सत्र को लेकर नया रिकार्ड

भारतीय संसदीय इतिहास में 21 नवंबर 2026 की तारीख एक अलग वजह से दर्ज हो गई। संसद का मानसून सत्र समाप्त हुए बिना ही 100 दिन की अवधि पार कर गया। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी, लेकिन राष्ट्रपति की ओर से अब तक औपचारिक सत्रावसान की अधिसूचना जारी नहीं हुई। इस प्रकार संसद का मानसून सत्र पिछले 87 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए एक नए ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंच गया। वर्ष 2008 में संसद का एक सत्र 87 दिनों तक औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ था। इस बार यह अवधि 100 दिनों तक पहुंच गई है।

- रामपाल सिंह, हिसार

करंट अफेयर

तेल रिसाव से कोलंबो का 3 किमी समुद्र तट प्रदूषित

श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पर तेल रिसाव के कारण मुतुवाल समुद्र तट सहित तीन किलोमीटर से अधिक लंबा तटीय इलाका प्रदूषित होने के बाद तेल के फैलाव को रोकने और प्रभावित इलाकों की सफाई के लिए व्यापक अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, शनिवार सुबह कोलंबो बंदरगाह के 'जया कंटेनर टर्मिनल' (जेसीटी) संख्या 108 पर स्थित एक भंडारण टैंक से तेल का रिसाव हुआ। इस टैंक की क्षमता लगभग 1,000 टन थी और घटना के समय यह पूरी तरह भरा हुआ था। श्रीलंका सरकार के आधिकारिक समाचार पोर्टल 'न्यूज डॉट एलके' की खबर के मुताबिक, टैंक के क्षतिग्रस्त निकासी वाल्व से मरीन गैस ऑयल (एमजीओ) का रिसाव हुआ। एमजीओ एक हल्का और परिष्कृत पेट्रोलियम ईंधन है। खबर के अनुसार, श्रीलंका बंदरगाह प्राधिकरण (एसएलपीए) ने शनिवार सुबह स्थानीय समयानुसार करीब साढ़े दस बजे तेल के रिसाव को रोक दिया। घटना की सूचना मिलने के लगभग एक घंटे के भीतर रिसाव पर काबू पा लिया गया था।



ऑफ बीट

कम्पास की सुई हमेशा उत्तर दिशा की ओर क्यों घूमती है

क्या आपने कभी कम्पास (दिशासूचक यंत्र) को अलग-अलग दिशाओं में घुमाकर यह देखने की कोशिश की है कि उसकी सुई किस तरह प्रतिक्रिया करती है? कम्पास को किसी भी दिशा में घुमाएं, उसकी सुई अंततः उत्तर दिशा की ओर ही मुड़ जाती है। इसके पीछे कोई जादू नहीं, बल्कि भौतिक विज्ञान का एक दिलचस्प सिद्धांत काम करता है। आज के हाईटेक दौर में भी कम्पास दिशा जानने का एक उपयोगी साधन बना हुआ है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे काम करने के लिए बिजली की जरूरत नहीं होती, जबकि जीपीएस जैसे उपकरण बिजली पर निर्भर होते हैं। इसके अलावा, कम्पास किसी भी मौसम और रोशनी की स्थिति में काम कर सकता है। जबकि सूर्य, तारों या आसपास की पहचान योग्य जगहों के जरिये दिशा पता करने के लिए इनका दिखाई देना जरूरी होता है। यदि आपको उत्तर दिशा का पता है, तो आप आसानी से दूसरी दिशाओं का भी निर्धारण कर सकते हैं। कम्पास के काम करने का आधार पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र है। मानव सभ्यता दो हजार साल से भी अधिक समय से इस प्राकृतिक घटना का इस्तेमाल करती आ रही है।

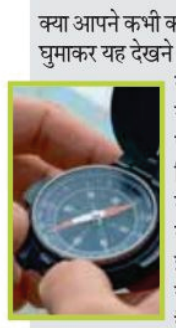

ट्रेंड

सर्वाइकल कैंसर

हर खुराक लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने और उनके लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है। मैं उन सभी हितधारकों की सराहना करता हूँ, जिनके प्रयासों से यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री



धार्मिक परंपरा

मैं भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं में जितना गहराई से उतरता हूँ, उतनी ही चीजें स्पष्ट होती जाती हैं। भाजपा और आरएसएस असत्य, लालची, जातिवादी और पुरुष-प्रधान सोच वाले लोग हैं, जिन्हें हमारी आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की रत्ती भर भी समझ नहीं है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस



प्रशासन पर दबाव

पंचायती राज चुनावों में करारी हार के बाद भी भाजपा सरकार ने कोई सबक नहीं सीखा है। कई इलाकों से ऐसी खबरें आ रही हैं कि भाजपा सरकार पुलिस और प्रशासन पर दबाव डालकर बोर्ड बनाने के लिए जबरदस्ती का तरीका अपनाना चाहती है। -अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान



निष्पक्षता का साथ

आज की दुनिया में परवाह करना, प्यार करना और सच्चाई व निष्पक्षता का साथ देना - इसके लिए हिम्मत चाहिए। सीओपी 31 से वह समझौता नहीं मिल पाया जिसकी इस धरती को ज़रूरत है, लेकिन विज्ञान स्पष्ट है और समाधान मौजूद हैं।

- दीया मिर्जा, अभिनेत्री





खबर संक्षेप

रेड्डी हैदराबाद में 'नशामुक्त भारत' पदयात्रा निकालेंगे

हैदराबाद। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी केंद्र सरकार के 'नशामुक्त भारत' अभियान के समर्थन में लोगों को जागरूक करने यहां 25, 26 और 27 नवंबर को पदयात्रा निकालेंगे।



सिकंदराबाद से लोकसभा सदस्य रेड्डी ने बताया कि पदयात्रा 25 को अंबरपेट से शुरू होगी और 27 को जुबली हिल्स में समाप्त होगी।

प्रकाश पर्व पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। सिख धर्म के संस्थापक और प्रथम गुरु गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर मंगलवार को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति समेत कई केंद्रीय मंत्रियों ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। देव की शिक्षाओं को याद करते हुए कहा कि सत्य, सेवा, समानता, करुणा और मानवता के कल्याण का उनका संदेश आज भी प्रासंगिक है।



मंडी में मंत्री का पुतला फूंका पुलिस से की धक्का-मुक्की

मंडी। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की ओर से विधानसभा में भारतीय सेना को लेकर की गई कथित टिप्पणी के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा जिला मंडी ने प्रदर्शन किया। लोगो ने उपायुक्त कार्यालय के बाहर धरना देने के बाद शहर में रैली निकाली और मंत्री का पुतला जलाकर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।



कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा घाटों पर उमड़ी आस्था

उन्नाव। कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। भोर से ही गंगा घाटों पर भीड़ जुटने लगी। लोगों ने स्नान के बाद पूजा-अर्चना की और पंडों को दान-दक्षिणा दी।

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक/पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं असराम पैकरा (माता/पिता/पालक का नाम)

सुपुत्र/सुपुत्री मुना राम गांव /शहर लिलोटी तहसील डौरा कोचली जिला बलरामपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम कुं आंचल (पुराना नाम) से बदलकर आँचल पैकरा (नया नाम) रख लिया है।

असराम पैकरा

माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर

अकाली दल की एनडीए में वापसी (गठबंधन) पर प्रधानमंत्री मोदी बोले

पंजाब के लोगों का कल्याण करना प्राथमिकता, जनता की पसंद बनेगा

राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए मिलकर काम करेंगे

प्रकाश पर्व पर पुराने साथी के आने पर जताई खुशी

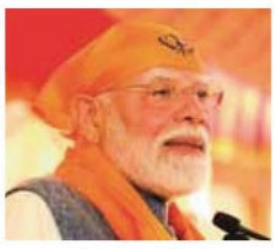

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शिरोमणि अकाली दल की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में वापसी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस गठबंधन की प्राथमिकता पंजाब और पंजाब के लोगों का कल्याण है। खास बात यह है कि अकाली दल की वापसी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर हुई है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपनी खुशी जाहिर की।

उन्होंने कहा कि पंजाब और पंजाबियों का कल्याण सबसे पहले! मुझे बेहद खुशी है कि शिरोमणि अकाली दल एनडीए परिवार में लौट आया है और वह भी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा और अकाली दल का गठबंधन स्वाभाविक है। यह पंजाब में जनहितकारी शासन सुनिश्चित करने और राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए काम करेगा। उन्होंने इस गठबंधन के पुराने इतिहास का भी जिक्र किया।

पंजाब को जन-हितैषी शासन मिलेगा

पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कहा कि पंजाब और पंजाबियों के कल्याण को सबसे ऊपर रखना! मुझे बहुत खुशी है कि शिरोमणि अकाली दल की एनडीए परिवार में वापसी हो रही है और वह भी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर। हमारा गठबंधन एक स्वाभाविक गठबंधन है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि पंजाब को जन-हितैषी शासन मिले, जो राज्य को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाए।

वाजपेयी-आडवाणी को किया याद

पीएम मोदी के मुताबिक, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल ने इस साझेदारी को मजबूत बनाया और सींचा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि अकाली दल और भाजपा का गठबंधन समय की कसौटी पर खरा उतरा है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों दलों की यह साझेदारी पंजाब के लोगों की पसंद बनेगी।

गठबंधन पर बोले भाजपाध्यक्ष नवीन

'स्वाभाविक गठबंधन' बताया, राज्य को नशामुक्त विकासोन्मुखी बनाएंगे



भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नेनई दिल्ली में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन को 'स्वाभाविक गठबंधन' बताया। उन्होंने कहा कि सीटों के बंटवारे पर दोनों दल बाद में चर्चा करेंगे, लेकिन साथ आने से पंजाब की सेवा करने का स्पष्ट संदेश गया है। उन्होंने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल, पार्टी सदस्यों और उनके सहयोगियों का एनडीए परिवार में स्वागत किया और कहा कि इससे गठबंधन की ताकत बढ़ेगी। एनडीए के तहत दोनों दल मिलकर पंजाब को नशामुक्त बनाने, युवाओं को राज्य में ही रोजगार दिलाने, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और विकासोन्मुखी सरकार बनाने के लिए काम करेंगे।

केजरीवाल ने कहा ये केवल सत्ता के लिए के लिए गठबंधन कर रहे

पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा और अकाली दल का गठबंधन आखिरकार को हो गया है। पिछले 1-2 महीने से इस गठबंधन के होने की चर्चा पंजाब की सियासत में सबसे ज्यादा हो रही थी। 6 साल के बाद अकाली दल और बीजेपी एकसाथ आए हैं। दोनों दल 2027 का चुनाव मिलकर साथ लड़ेंगे।बीजेपी-अकाली दल गठबंधन को लेकर



आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि यह लोग सत्ता के लिए एकसाथ आ जाते हैं और फिर अलग हो जाते हैं। केजरीवाल मंगलवार को गुरु पर्व के मौके पर गुरुद्वारा श्री रकाबगंज साहिब पहुंचे जहां उन्होंने मत्था टेककर प्रार्थना की और सभी देशवासियों को गुरु पर्व की शुभकामनाएं दीं। इसी दौरान मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि ये लोग सत्ता के लिए साथ आ जाते हैं और फिर अलग हो जाते हैं और फिर एक साथ आ जाते हैं।

पंजाब को नशे-ड्रग्स के जाल में झोंकने के लिए साथ आएः संजय



आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि दोनों दलों का गठबंधन 'जीरो' है। अजीब बात है कि जिस अकाली दल और भाजपा ने पंजाब के घर-घर में नशा पहुंचाने का अपराध किया। 10 सालों तक पंजाब को बर्बाद करने का अपराध किया। नशे-ड्रग्स के जाल में झोंकने गठबंधन कर रहे हैं।

ऐसा क्या बदला भाजपा-अकाली साथ आएः तिवारी



गठबंधन की मंगलवार को हुई घोषणा को लेकर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसान भाजपा और अकाली दल से पूछेंगे और उन्हें बताना होगा कि ऐसा क्या बदल गया है कि दोनों पार्टियों ने फिर से हाथ मिला लिया है।

यूथ कांग्रेस ने जुकरबर्ग को भी संघ से जोड़ा

मेटा भाजपा का बेटा, उसके समर्थक कंटेंट पर चुप्पी साधी





एजेंसी ▶▶ बेंगलुरू

कर्नाटक के यूथ कांग्रेस ने मंगलवार को मेटा कंपनी के खिलाफ एक पोस्टर अभियान चलाया। यूथ कांग्रेस ने मेटा पर आरोप लगाया कि वे नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना करने वाली सोशल मीडिया पोस्ट को चुन-चुन कर हटा रहे।आगे कहा कि मेटा ने भाजपा समर्थक कंटेंट पर चुप्पी साध रखी है, उसे रहने दे रही है, जबकि विपक्ष के कंटेंट को हटा रही या रोक लगा रही। यूथ कांग्रेस ने केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट रोड पर टोल प्लाजा के पास सदाहल्ली गेट पर एक बड़ा बैनर लगाया, जिसमें उन्होंने मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को आरएसएस के यूनिफॉर्म में दिखाया। यूथ कांग्रेस ने इसके अलावा शहर में चिक्काजाला और अन्य जगहों पर भी पोस्टर लगाए।

- सदाहल्ली गेट पर लगाया बड़ा बैनर, जुकरबर्ग को आरएसएस के यूनिफॉर्म में दिखाया

लिखा- 'मार्क भाजपा बर्ग'

सदाहल्ली गेट पर लगे फ्लेक्स में मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के नाम को भी आरएसएस से जोड़ा। पोस्टर में यूथ कांग्रेस ने अरबपति कारोबारी को 'मार्क भाजपा बर्ग' बताया। साथ ही लिखा, 'मेटा भाजपा का बेटा'।

54 लाख पोस्ट या अकाउंट्स पर रोक लगी

यह विरोध प्रदर्शन उन रिपोर्टों के बाद हुआ, जिनमें बताया गया कि मेटा ने 2026 की पहली छमाही में 54 लाख से ज्यादा पोस्ट या अकाउंट्स पर रोक लगाए गए, जबकि 2026 में कुल 70,000 पोस्ट ही हटाए गए थे।

गौड़ा ने की कंपनी की निंदा

विरोध करने वाले कर्नाटक प्रदेश यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एचएस मंजूनाथ गौड़ा ने कहा कि पार्टी मेटा के कदमों की निंदा करती है। गौड़ा ने कहा कि कांग्रेस के पक्ष में या भाजपा के खिलाफ की गई पोस्ट को तुरंत दिया जा रहा है। दिग्गज टेक कंपनी मेटा के कामकाज पर सवाल उठाए। इनमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नफरत फैलाने वाले भाषणों को रोकने में विफलता, फर्जी खबरों को फैलने देना, राजनीतिक दबाव के आगे झुकना और यूजर के निजी जानकारी की गोपनीयता को लेकर चिंताएं शामिल हैं। मंजूनाथ ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को लोकतांत्रिक सिद्धांतों के हिसाब, बिना किसी राजनीतिक दल का पक्ष लिए, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करना चाहिए।

दास को ब्रिटेन जाने से रोका तो भड़के दीपके

माल्या, नीरव और चोकसी जैसी धोखाधड़ी नहीं की, फ्रॉड करो...

एजेंसी ▶▶ संभाजीनगर

कॉकरोच जनता पार्टी सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने सेजेपी आंदोलन की सफलता के बाद बढ़ती लोकप्रियता के कारण पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास को जानबूझकर ब्रिटेन जाने से रोक दिया।



दीपके की प्रतिक्रिया दास के इस आरोप के एक दिन बाद आई है कि उन्हें ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ब्रिटेन की यात्रा करने से रोक दिया गया, जहां उन्हें कॉकरोच आंदोलन पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा, वे कॉजपा के गठन से पहले, उसी पासपोर्ट पर दो बार विदेश गया था। उस समय, सरकार को कोई विसंगति पासपोर्ट मेंनहीं मिली। सरकार पर निशाना साधते हुए, दीपके ने कहा कि दास को इसलिए रोका गया, क्योंकि उन्होंने विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी जैसी धोखाधड़ी नहीं की थी। फ्राड करो और विदेश जाओ।

आंध्र प्रदेश में भोगापुरम में हादसा

टोल गेट के पास खड़ी लॉरी से कार टकराई, 5 की मौत



एजेंसी ▶▶ भोगापुरम (आंध्र प्रदेश)

आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में मंगलवार को टोल गेट के पास खड़ी एक लॉरी से कार के टकरा जाने से 5 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना सुबह करीब 7:30 बजे हुई जब एक एसयूवी कार सड़क के किनारे खड़ी लॉरी से टकरा गई। विजयनगरम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एआर दामोदर ने कहा कि आज सुबह भोगापुरम टोल गेट के पास एसयूवी के खड़े ट्रक से टकरा जाने से 5 लोगों की मौत हो गई। कार में सवार 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पांचवां व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि पीड़ित मंदिर में दर्शन करके लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ। प्रारंभिक आकलन से पता चलता है कि संभवतः थकान के कारण कार चालक को गाड़ी चलाते समय झपकी आ गई होगी।

देव दीपावली जगमगाया आसमान





प्रयागराज। मंगलवार को प्रयागराज में देव दीपावली उत्सव के दौरान लोगों ने मिट्टी के दीये जलाए और आतिशबाजी से आसमान जगमगा उठा।

कांग्रेस ऑब्जर्वर गीता भुक्कल पहुंचीं, कहा - वोट बचाना ही लोकतंत्र बचाना है

संवाददाता

उन्नाव। हरियाणा की पूर्व मंत्री और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ऑब्जर्वर गीता भुक्कल सोमवार शाम 5 बजे उन्नाव पहुंचीं। उन्होंने भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी केंद्र और प्रदेश सरकार की है। विपक्ष जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहा है।जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में प्रेसवार्ता के दौरान गीता भुक्कल ने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन 'वोट बचाओ, देश बचाओ' और 'संविधान बचाओ' अभियान के जरिए लोगों के बीच जा रहे हैं। प्रदर्शन, आंदोलन और चौपालों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अश्विनी कुमार आ. स्व. डॉ. महामुनी सिंह, उम्र 55 वर्ष, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है, कि आवेदक एवं अनावेदकगण संतोष कुमार सिंह आ.स्व. डॉ. महामुनी सिंह वगैरह के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, मोहल्ला-केदारपुर शीट नं. 02 स्थित नजूल भूमि प्लॉट नं. 203/9 रकबा 0.05 एकड़ भूमि है। सह भूधारक श्रीमती जागेश्वरी देवी पत्नी स्व. महामुनी सिंह की मृत्यु दिनांक 09.01.2012 को हो गई है। तद्धपरांत आवेदक द्वारा उक्त आवेदित भूमि से सह खातेदार श्रीमती जागेश्वरी देवी का नाम विलोपित करते हुये शेष खाताधारकों को नाम यथावत रखे जाने हेतु आवेदक खातेदार श्रीमती जागेश्वरी देवी की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 14/12/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-25/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र/अ-20(3)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है. कि आवेदक प्रमेन्द्र तिवारी आ. स्व. श्रवण तिवारी व अन्य 01, निवासी रिंग रोड जरहागढ अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-07 मोहल्ला- रिंग रोड जरहागढ़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल में प्लाट नम्बर 2334/3, 2335/1, 2337/3 रकबा 0.03, 0.00 1/4. 0.00 3/4 एकड़ भूमि को बैंक बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 09.12.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।आज दिनांक 25.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एत्तद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका मनोज कश्यप आ०/ पति बेचू साव जाति, निवासी शंकरगढ़ तहसील शंकरगढ़, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०म० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-दरीपारा, शीट नम्बर-10 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4066/5 रकबा 0.02 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है।जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 30.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः-15.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शैलेन्द्र कुमार गर्ग आ.स्व. आनन्द प्रकाश गर्ग, निवासी एमजी रोड़, था०तह० अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है, कि नगर अम्बिकापुर, मोहल्ला- राम मंदिर मैदान स्थित नजूल भूमि प्लॉट नं. 3196/4813/40 रकबा 0.03 1/2 एकड़ भूमि / मकान स्थित है। आवेदक के पिता राजेन्द्र कश्यप वगैरह के नाम पर दर्ज है। उक्त आवेदित भूमि का रजिस्ट्री दिनांक 07.09.1974 को भू-भाटक की राशि 1 रुपए था परन्तु कालान्तर में त्रुटिवश इसे बढ़ाकर 3600 रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है। जिसे सुधार किये जाने हेतु आवेदित भूमि के संधारण खसरा की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 114, 115 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-09/12/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 23/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०ब/121वर्ष
ग्राम झीलमिली प०ह०न० 16
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रवि पटवा पिता त्रिभुवन पटवा जाति पटवा निवासी ग्राम झिलमिली प०ह०न० 16... रा०नि०म० भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ०ग० द्वारा पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र कान्हा पटवा का जन्म / मृत्यु दिनाँक 18/08/014 को ग्राम झीलमिली में हुई है अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है आवेदक अपने पुत्र कान्हा पटवा का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत झिलमिल को आदेषित करने आवेदन पेश किया है जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है ।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनाँक 22/07/26 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते है नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार किया जावेगा आज दिनॉक 08/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

शपथपत्र

मैं प्रदीप कुमार पाल (PRADEEP KUMAR PAL) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/पुत्री कमाख्या नारायण पाल (KAMAKHYA NARAYAN PAUL) निवासी-क्यू न० 260, मझलीपारा, सरगवां, सगार्वान, सकलो, थाना गांधीनगर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०) 497001 एतद्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँः मैं क्यू न० 260, मझलीपारा, सरगवां, सगार्वान, सकलो, थाना गांधीनगर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०) का स्थायी निवासी हूँ। मेरे पुराना नाम प्रदीप कुमार पाल (PRADEEP KUMAR PAL) आ० कमाख्या नारायण पाल (KAMAKHAYA NARAYAN PAL) है और मैं अपना नाम बदलकर प्रदीप कुमार पाल (PRADEEP KUMAR PAUL) आ० कमाख्या नारायण पाल (KAMAKHYA NARAYAN PAUL) (नया नाम) करवाना चाहता हूँ। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। मैं नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता हूँ, तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूंगा। मैं यह शपथ पत्र अपने परे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ तथा समक्ष प्रौधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका राधा अग्रवाल पत्नि श्री पिताम्बर अग्रवाल, उम्र-63 वर्ष, जाति अग्रवाल निवासी बजारपारा, ग्राम प्रतापगढ़ था०तह० अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के द्वारा अनावेदक अशोक कुमार अग्रवाल आ. गनपत राम अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर जिला- सरगुजा (छ०ग०) के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला शीतला वार्ड, बाबूपारा मौलवी बांध स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3467/4866/327 रकबा 1750 वर्गफीट खुली भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 29.10.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदिका द्वारा उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-07/12/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-23/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सौरभ कुमार अग्रवाल आ. पिताम्बर अग्रवाल, उम्र 38 वर्ष, निवासी बजारपारा, ग्राम प्रतापगढ़ था०तह० सीतापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदक श्री सुदीप सिन्हा आ. अखिलेश सिन्हा, उम्र 38 वर्ष निवासी हनुमान मंदिर स्कूल रोड़ अम्बिकापुर जिला- सरगुजा (छ०ग०) के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला शीतला वार्ड, बाबूपारा मौलवी बांध स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3467/4866/336 रकबा 1021 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 29.10.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-07/12/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 23/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

नगर निगम की सुस्ती से विकास कार्यों पर संकट, आचार संहिता में फंस सकता है बजट

- 110 वार्डों में पार्षद कोटे के 170 करोड़ रुपये खर्च होने का इंतजार
- तीन महीने से 30 करोड़ के विकास बजट पर भी नहीं हो पाया फैसला

संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच नगर निगम की धीमी कार्यप्रणाली शहर के विकास कार्यों पर भारी पड़ सकती है। करीब 200 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का बजट अब तक खर्च नहीं हो सका है। जनवरी में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने की संभावना के चलते इन कार्यों पर संकट मंडराने लगा है। यदि अगले एक महीने में टेंडर प्रक्रिया पूरी कराकर काम शुरू नहीं कराया गया तो बड़ी धनराशि अटक सकती है।

वित्तीय वर्ष समाप्त होने में अभी करीब चार महीने का समय है, लेकिन फरवरी में विधानसभा चुनाव होने की संभावनाओं को देखते हुए जनवरी में आचार संहिता लग सकती है। ऐसे में विकास कार्यों को शुरू कराने के लिए नगर निगम के पास सीमित समय बचा है। हैरानी की बात यह है कि कई कार्यों के लिए अब तक टेंडर तक जारी नहीं किए गए हैं। नगर निगम में 110 वार्ड हैं।

प्रत्येक वार्ड में विकास कार्य कराने के लिए अप्रैल में पार्षदों को 2.10 करोड़ रुपये का कोटा स्वीकृत किया गया था। इस हिसाब से करीब 230 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित हुआ। इसमें से पार्षद अब तक लगभग 60 करोड़ रुपये ही खर्च कर पाए हैं, जबकि करीब 170 करोड़ रुपये की धनराशि अभी शेष है। समय रहते इन कार्यों की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो चुनाव आचार संहिता के कारण बजट का इस्तेमाल प्रभावित हो सकता है। नगर निगम के खाते में विकास कार्यों के लिए करीब 30 करोड़ रुपये पिछले तीन महीने से पड़े हैं। यह धनराशि अवस्थापना निधि, वायु गुणवत्ता सुधार और 15वें वित्त आयोग के मद से मिली है। इसके बावजूद नगर निगम अब तक यह तय नहीं कर पाया है कि इस बजट से किन सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। शहर में 200 से अधिक छोटी-बड़ी सड़कें खराब हैं और उन्हें मरम्मत व निर्माण की जरूरत है।

सूत्रों के मुताबिक, बजट के उपयोग को लेकर दो बार बैठक हो चुकी है, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हो पाए हैं। कार्यों के चयन के लिए अधिकारियों की समिति गठित की गई है, हालांकि अंतिम निर्णय महापौर को लेना है। नगर निगम के जानकारों के मुताबिक, पार्षदों की कोशिश रहती है कि उनके वार्ड में होने वाले विकास कार्य अवस्थापना निधि, 15वें वित्त आयोग, विधायक या सांसद निधि, महापौर कोटे अथवा नगर निगम की सामान्य निधि से कराए जाएं।

अवनीश अवस्थी बने गोमती नगर जनकल्याण महासमिति के संरक्षक

लखनऊ। गोमती नगर जनकल्याण महासमिति की प्रबंध एवं कोर समिति की बैठक मंगलवार को विवेक खंड स्थित महासमिति कार्यालय में अध्यक्ष डॉ. बीएन सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में महासमिति के विकास कार्यों, आगामी चुनाव और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी को महासमिति का संरक्षक नियुक्त करने का निर्णय लिया गया।

महासचिव डॉ. राघवेंद्र शुक्ला ने महासमिति की ओर से अब तक किए गए कार्यों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में गोमती नदी की स्वच्छता और पवित्रता बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत संबंधित विभागों से समन्वय कर कार्ययोजना तैयार की जाएगी और महासमिति स्वच्छता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएगी। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों को विस्तार देने के लिए विभिन्न पदाधिकारियों को अलग-अलग क्षेत्रों का दायित्व सौंपा गया।

अजय वर्मा को विपुल खंड, राजेश कुमार तिवारी को विश्वास खंड, डॉ. अमित टंडन को खरगापुर, आलोक मिश्रा को विभव खंड, रामनाथ शुक्ला को विराज खंड और विवेक शुक्ला को वास्तु खंड की जिम्मेदारी दी गई। इन पदाधिकारियों को मूर्ति विसर्जन, कपड़ा बैंक, बर्तन बैंक और महासमिति के अन्य अभियानों को 30 नवंबर 2026 तक संपन्न कराने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। बैठक में महासमिति का नाम बदलकर 'गोमती जनकल्याण महासमिति ' करने पर सहमति बनी। कवियों और साहित्यकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से साहित्य भवन के निर्माण का प्रस्ताव भी रखा गया। बैठक में महासचिव डॉ. राघवेंद्र शुक्ला, कार्यकारी महासचिव कर्नल एएन पांडेय, सचिव संजय निगम, सचिव सीजी नायर, संगठन मंत्री एके गुप्ता, अभिनव शुक्ला, कोषाध्यक्ष पीआर पांडेय और सांस्कृतिक सचिव राकेश मौर्य सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अभेद्य साइबर कवच से सुरक्षित होगा यूपी

- आज बनेगा मास्टर प्लान
- जुटेंगे शासन, पुलिस, तकनीक और उद्योग जगत के दिग्गज, साइबर सुरक्षा मजबूत करने पर होगा मंथन

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए बुधवार को लखनऊ में शासन, पुलिस, तकनीक और उद्योग जगत के दिग्गज एक मंच पर जुटेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप आयोजित विशेष कार्यशाला में प्रदेश के सरकारी डेटा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और महत्वपूर्ण सूचना प्रणालियों को साइबर हमलों से सुरक्षित रखने की रणनीति पर मंथन होगा। विशेषज्ञ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम तकनीक और बदलते डिजिटल परिदृश्य से उत्पन्न खतरों से निपटने के उपायों के साथ विभागों के बीच समन्वय और तकनीकी क्षमता बढ़ाने पर चर्चा करेंगे।

उप्र स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) की ओर से 25 नवंबर को आयोजित कार्यशाला में प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया और वैश्विक तकनीकी कंपनी सिस्को की संयुक्त भागीदारी रहेगी। गोमती नगर विस्तार स्थित यूपी-112 मुख्यालय के प्रज्ञा कॉन्फ्रेंस हॉल में सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक प्रस्तावित इस आयोजन में वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, तकनीकी संस्थानों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के दिग्गज और शिक्षाविद शामिल होंगे।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की साइबर सुरक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत, सक्रिय और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप बनाना है। इसमें सरकारी विभागों और महत्वपूर्ण डिजिटल प्रणालियों की मौजूदा सुरक्षा तैयारियों के आकलन पर चर्चा होगी। साइबर घटनाओं की समयबद्ध पहचान, प्रतिक्रिया और नुकसान को न्यूनतम करने के लिए तंत्र मजबूत बनाने पर जोर दिया जाएगा।

यूपीएसआईएफएस के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि कार्यशाला में पांच प्रमुख उद्देश्यों को केंद्र में रखकर रणनीतिक चर्चा होगी। पहले उद्देश्य के तहत एआई, क्वांटम और अन्य उभरती तकनीकों से पैदा होने वाले साइबर खतरों के प्रति शासन-प्रशासन में जागरूकता और रणनीतिक समझ विकसित की जाएगी। दूसरे उद्देश्य में सरकारी विभागों, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रणालियों की मौजूदा साइबर सुरक्षा तैयारियों का आकलन किया जाएगा। तीसरे उद्देश्य के तहत साइबर गवर्नेंस, साइबर घटनाओं के प्रबंधन और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय मजबूत करने के उपाय तलाशे जाएंगे। चौथे उद्देश्य में एआई आधारित खतरों और क्वांटम युग की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए भविष्य की सुरक्षा प्रणालियों और तकनीकी समाधानों पर विचार होगा। पांचवें उद्देश्य के तहत सरकार, उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच साझेदारी बढ़ाकर साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान और क्षमता निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। कार्यशाला में सरकारी सेवाओं के संचालन में एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल से जुड़े सुरक्षा पहलुओं पर भी चर्चा होगी।

अखिलेश ने पांच सीटों पर प्रत्याशी किये घोषित

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगामी विधानसभा के लिए मंगलवार की रात को पांच प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इनमें चार सीटें बेहट, सहारनपुर, कैराना और अमरोहा पश्चिमी यूपी की है। इन चार सीटों पर 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा ने जीत दर्ज की थी और पार्टी ने अपने चारों सिटिंग मुस्लिम विधायकों को दोबारा दांव लगाया है। इस बीच अखिलेश यादव ने सहारनपुर की दो सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इन सीटों पर कांग्रेस ने दावा ठोंका था। सपा और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर सोमवार और मंगलवार को बैठक हुई लेकिन सीटों का बंटवारा फाइनल नहीं हो पाया। इसमें सहारनपुर की बेहट सीट से उमर अली खान व सहानपुर से आशु मलिक को दिया है। वहीं अखिलेश ने सपा सांसद इकरा हसन के भाई नाहिद हसन को शामली की कैराना से दिया है। फिलहाल वह अभी यहीं से मौजूदा विधायक है। अमरोहा से महबूब अली और ललितपुर से ज्योति लोधी को दिया गया है। ज्योति लोधी को प्रत्याशी बनाकर अखिलेश यादव ने गैर यादव ओबीसी लोधी वोटबैंक व महिला भागीदारी का संदेश दिया है।

शादी में गया परिवार, घर में लाखों की चोरी

लखनऊ। कृष्णानगर कोतवाली इलाके में चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़ लाखों रुपयों के जेवर और कैमरे का डीवीआर चोरी कर फरार हो गए। घटना के समय पीड़ित परिवार रिश्तेदारी में विवाह समारोह में सम्मिलित होने गया था। कृष्णा नगर कोतवाली इलाके के वीआईपी रोड गोपालपुरी में रहने वाले कृष्ण कान्त मिश्रा पुत्र स्व राजेश्वर प्रसाद मिश्रा के अनुसार वह उक्त मकान में अपने परिवार संग रहते है। पीड़ित कारोबारी के अनुसार वह अपने पूरे परिवार संग जनपद प्रतापगढ़ में रहने वाले अपने चाचा के यहां बीते 20 नवंबर को शादी समारोह में सम्मिलित होने गए थे और घर की देखभाल के लिए एक हजार रुपये प्रतिदिन पर अपने परिचित आशु नामक युवक को घर की देखभाल के लिए रख कर गए थे जिसके पास घर के बाहरी हिस्से की चाभी थी और बरामदे में ही सोता था।

विधवा ने देवर-जेठानी पर दर्ज कराया मकदमा

लखनऊ। कृष्णानगर थाना क्षेत्र के आजाद नगर में रहने वाली विधवा ने अपने देवर, जेठानी व जेठानी की बेटी समेत उसके रिश्तेदारों पर गाली-गलौज कर मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए स्थानीय थाने में लिखित नामजद शिकायत दी । पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी है । कृष्णानगर क्षेत्र के आजाद नगर में रहने वाली गौसिया खान पत्नी स्व० महताब आलम के अनुसार बीते 27 अक्टूबर को वह अपने मुकदमे की पैरवी के लिए घर से बाहर गई थीं । वहीं 30 अक्टूबर की शाम लगभग 5 बजे ट्यूशन पढ़कर घर लौटी उनकी बेटी दरवाजा खोलने के लिए दरवाजे को खटखटा रही थी कि घर के अंदर मौजूद जेठानी गजाला व उसकी बेटी आलिया उनकी बेटी को गंदी-गंदी गालियां देने लगीं ।

दबंगों ने दो दोस्तों को किया लहूलुहान

लखनऊ। आशियाना क्षेत्र एलडीए कॉलोनी सेक्टर-जी में सोमवार दोपहर लाठी-डंडे व लोहे की रॉड से लैस आधा दर्जन से अधिक आरोपियों ने एकजुट होकर दो दोस्तों पर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर लहूलुहान कर दिया और मौके से भाग निकले। सरोजनीनगर के मुंशी खेड़ा ट्रांसपोर्ट नगर कानपुर रोड में रहने वाले सर्वेश कुमार के अनुसार सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे उनके बेटे अनिराज व उसके दोस्त अनुराग को आशियाना थाना क्षेत्र के एलडीए कॉलोनी सेक्टर-जी स्थित मल्टी एक्टिविटी सेंटर के निकट अस्तित्व चौहान, वैभव शुक्ला, अनन्त द्विवेदी, आलोक राना, मुदित कुमार व राहुल यादव समेत उनके अन्य अज्ञात साथियों ने एकराय होकर लोहे की रॉड से सिर पर वार कर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उनके बेटे और उसके दोस्त अनुराग के सिर पर गंभीर चोटें आईं। जिनका इलाज लोकबंधु अस्पताल में चल रहा है।

जमीन पर अवैध कब्जा, गिरफ्तार

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन पर अवैध कब्जा कर आर्थिक लाभ अर्जित करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 09 दिसम्बर 2024 को शिव बहादुर सिंह पुत्र स्व0 बनवारी सिंह ग्राम खुझौली, थाना मोहनलालगंज ने विपक्षीगण द्वारा ग्राम खुजौली मे फर्जी खाता संख्या व खसरा संख्या की एक बीघा 12 विस्वा ऊसर भूमि को कूट रचित दस्ताबेज तैयार कर व अवैध तरीकों से कब्जा करने के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कराया था। अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं घटना के अनावरण के लिए पुलिस की दो टीमों का गठन किया गया था। गठित पुलिस टीम द्वारा टैक्निकल व मैनुअल साक्ष्यों व स्थानीय सूचना तन्त्र के द्वारा अभियुक्त दिनेश कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त दिनेश कुमार सिंह ने पूछताछ में बताया कि वह मूलरूप से ग्राम बल्लूखेड़ा थाना हसनगंज उन्नाव का रहने वाला है, जब वह काफी छोटा था, तब मैं अपने पिता व परिजनों के साथ खुजौली गांव में आया था ,यहां पर विजय बहादुर सिंह जो कि अभियुक्त के रिश्तेदार थे उनके यहां रहने लगा। अभियुक्त दिनेश कुमार सिंह पुत्र स्व0 गंगाशरण सिंह निवासी ग्राम खुजौली थाना मोहनलालगंज को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

वृंदावन योजना में बंद मकान का ताला तोड़कर गहने और नकदी चोरी, अज्ञात चोर पर केस दर्ज

संवाददाता

लखनऊः पीजीआई थाना क्षेत्र के वृंदावन योजना में सत्संग के लिए बाहर गए एक व्यक्ति के बंद मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने कीमती गहने और नकदी पार कर ली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, मूल रूप से संत कबीर नगर के धर्मसिहवा बाजार निवासी अनिल कुमार गुप्ता फिलहाल लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र स्थित 11अ/54, सेक्टर-11 वृंदावन योजना में रह रहे हैं। तहरीर में बताया गया है कि 20 नवंबर 2026 को शाम करीब 6 बजे वह सत्संग में शामिल होने के लिए घर में ताला लगाकर बाहर गए थे। जब वह रात करीब 9 बजे घर लौटे तो भीतर का ताला टूटा मिला। घर के अंदर रखी अलमारी का लॉकर तोड़कर अज्ञात चोरों ने उसमें रखे कीमती गहने और कुछ नकदी चोरी कर ली। घटना के बाद पीड़ित ने पीजीआई थाने में शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करने और चोरी गया सामान बरामद कराने की मांग की। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और छानबीन की जा रही है।

विस चुनाव से पहले शस्त्र लाइसेंस धारकों का होगा पुलिस सत्यापन

संवाददाता

- एडीजी ने अधिकारियों को दिये भौतिक सत्यापन के निर्देश, आपराधिक इतिहास की भी होगी जांच

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए शस्त्र लाइसेंस धारकों का पुलिस सत्यापन कराया जा सकता है। इसके तहत लाइसेंस धारकों के दस्तावेजों के साथ उनके पास मौजूद हथियारों का भी भौतिक सत्यापन किया जाएगा। वाराणसी जोन के अपर पुलिस महानिदेशक नवीन अरोड़ा ने अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं।

20 नवंबर 2026 को हुई समीक्षा बैठक में एडीजी ने जोन के सभी नौ जनपदों के पुलिस अधिकारियों को शस्त्र लाइसेंस धारकों का भौतिक सत्यापन कराने, सक्रिय अपराधियों और वांछित आरोपियों की सूची तैयार करने तथा चुनावी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए।

लाइसेंस और हथियारों का होगा मिलान : सत्यापन के दौरान शस्त्र लाइसेंस की वैधता, लाइसेंस धारक का विवरण और हथियार की स्थिति का मिलान किया जा सकता है। इसके साथ ही संबंधित व्यक्ति के आपराधिक इतिहास और कानून व्यवस्था के लिहाज से उसकी गतिविधियों की भी जांच की जाएगी। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार पुलिस को लाइसेंस संबंधी रिकॉर्ड अपडेट रखने और संवेदनशील मामलों की समीक्षा करने की जिम्मेदारी दी गई है।

स्क्रीनिंग कमेटी करेगी समीक्षा : चुनाव के दौरान हथियार जमा कराने का निर्णय सभी लाइसेंस धारकों पर एकसमान लागू नहीं किया जा सकता। इसके लिए सक्षम अधिकारियों की स्क्रीनिंग कमेटी व्यक्तिगत मामलों की समीक्षा करती है। आपराधिक इतिहास, संवेदनशीलता और कानून व्यवस्था के खतरे को देखते हुए आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य चुनाव के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकना और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करना है। अधिकारियों को चुनाव संबंधी तैयारियां समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

लविवि की फिजाओं में बिखरीं पुराने दिनों की सुगंध

- शिक्षा एवं पत्रकारिता जगत की 13 विभूतियां हुई सम्मानित
- लविवि में 106वें स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को 106वें स्थापना दिवस समारोह एवं पूर्व छात्र मिलन समारोह का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस से एक दिन पूर्व आयोजित इस विशेष समारोह में कवि सम्मेलन एवं विशिष्ट पूर्व छात्रों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व कुलपतियों, प्रतिष्ठित शिक्षाविदों एवं मीडिया जगत की हस्तियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

मालवीय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति, शिक्षा एवं पत्रकारिता जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने की, जबकि लोक गायिका एवं पद्मश्री सम्मान से अलंकृत मालिनी अवस्थी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, संस्थानों के निदेशकों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि मालिनी अवस्थी का कुलपति प्रो. जेपी सैनी द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया।



सम्मान समारोह की शुरूआत कुमाऊं विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. सीपी बर्थवाल के सम्मान से हुई। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी द्वारा 33 विभागों के कुल 169 शिक्षकों की पदोन्नति की प्रक्रिया को गति देने की पहल की सराहना की। प्रो. बलराज चौहान का समारोह में विशेष रूप से स्वागत एवं सम्मान किया गया। प्रो. मनोज दीक्षित, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर, राजस्थान के पूर्व कुलपति तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग के पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष ने भी सम्मान समारोह के दौरान अपने अनुभव साझा किए। प्रो. अनिल कुमार शुक्ला, शिक्षाविद् एवं विश्वविद्यालय प्रशासक का भी स्वागत एवं सम्मान किया गया। वह महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली (2017-2020), ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। प्रो. पूनम टंडन, भौतिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति को भी उनकी विशिष्ट शैक्षणिक एवं प्रशासनिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार मनीष श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार प्रांशु मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण कुमार, वरिष्ठ पत्रकार भूपेंद्र पांडेय और वरिष्ठ पत्रकार राजन परिहार का लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र का स्वागत एवं सम्मानित किया गया।

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संध्या ने बांधा समां : लविवि के मालवीय सभागार में कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन किया गया। इस साहित्यिक संध्या में कवियों, शायरों एवं साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को भावविभोर किया। कार्यक्रम में अंशु प्रिया दुबे, पंकज प्रसून, हसन काजमी, डॉ. हरिओम, समीर सैर एवं पद्मश्री मालिनी अवस्थी सहित अनेक रचनाकारों की उपस्थिति रही। लखनऊ के कवि, लेखक एवं मीडिया विशेषज्ञ हसन काजमी तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, कवि, कहानीकार एवं संगीतकार डॉ. हरिओम की उपस्थिति ने साहित्यिक आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

15 दिन में घर पहुंचेगा मतदाता पहचान पत्र

संवाददाता

- ऑनलाइन ट्रैकिंग व मोबाइल पर मिलेगा एसएमएस

लखनऊ। मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) बनवाने के बाद उसके वितरण में होने वाली देरी और कार्ड गुम होने की शिकायतों को रोकने के लिए निर्वाचन आयोग ने सख्त व्यवस्था लागू की है। अब नए मतदाताओं और वोटर आईडी में संशोधन कराने वाले आवेदकों को उनका पहचान पत्र 15 दिनों के भीतर उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आयोग ने कार्ड के वितरण से लेकर आवेदक तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन ट्रैकिंग से जोड़ दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पहचान पत्र सही व्यक्ति तक पहुंचे। भारत निर्वाचन आयोग ने 18 जून 2025 को इस संबंध में नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की थी। इसके तहत मतदाता सूची में नाम जुड़ने अथवा पहले से दर्ज विवरण में संशोधन होने के 15 दिनों के भीतर ईपीआईसी (इलेक्टर्स फोटो आइडेंटिटी कार्ड) पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

डाक विभाग के माध्यम से होगा वितरण : नई व्यवस्था में निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा कार्ड तैयार किए जाने से लेकर डाक विभाग के माध्यम से मतदाता तक पहुंचने तक प्रत्येक चरण की निगरानी होगी। इसके लिए निर्वाचन आयोग के एउक्ती३ प्लेटफॉर्म को डाक विभाग के सिस्टम से जोड़ा गया है। कार्ड बनने, भेजे जाने और वितरण की स्थिति की जानकारी मतदाताओं को एसएमएस के माध्यम से भी दी जाएगी।

कार्ड वापस आने पर बीएलओ की जिम्मेदारी : निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुसार, वोटर आईडी कार्ड स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्राप्तकर्ता की पावती के साथ भेजा जाएगा। यदि कार्ड वितरित नहीं हो पाता और डाक विभाग से वापस आता है, तो संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी उसे बीएलओ से मतदाता तक पहुंचाना सुनिश्चित करेगा। ऐसे वापस आए कार्ड को प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर बीएलओ द्वारा प्राप्तकर्ता की पावती रखने का प्रावधान है। इसका उद्देश्य बिचौलियों और वितरण संबंधी गड़बड़ियों पर रोक लगाना तथा मतदाताओं को समय पर उनका पहचान पत्र उपलब्ध कराना है।

जमीन के नीचे 65,926 करोड़ रुपये से बिछेंगी बिजली की लाइनें

संवाददाता

- 2030 तक लखनऊ को भूमिगत नेटवर्क से जोड़ने की तैयारी
- 77 जिलों में नेटवर्क सुधार के कार्य स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को सुरक्षित, आधुनिक और मजबूत बनाने के लिए बड़े स्तर पर वितरण नेटवर्क में बदलाव की तैयारी की जा रही है। इसके तहत बिजली की लाइनों को भूमिगत करने, पुराने तारों को बदलने, ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने और वितरण व्यवस्था को दुरुस्त करने पर जोर दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में ऊर्जा क्षेत्र के लिए 65,926 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। हालांकि, इस पूरी धनराशि का उपयोग भूमिगत बिजली लाइनें बिछाने में नहीं होगा, बल्कि इसमें बिजली उत्पादन, पारेषण, वितरण और अन्य योजनाएं भी शामिल हैं।

लखनऊ में 5 हजार करोड़ की प्रस्तावित योजना : राजधानी लखनऊ में बिजली के तारों को भूमिगत करने के लिए करीब 5,000 करोड़ रुपये की योजना तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। अप्रैल 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने अपने चारों जोन के अधिकारियों से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) मांगी थी। इस योजना का लक्ष्य वर्ष 2030 तक काम पूरा करना बताया गया है। इसके तहत प्रमुख मार्गों, घनी आबादी वाले क्षेत्रों और दुर्घटना की आशंका वाले स्थानों पर भूमिगत केबल बिछाने को प्राथमिकता दी जा सकती है। फिलहाल इसे प्रस्तावित योजना के रूप में ही देखा जा रहा है।



बिजली नेटवर्क सुधार के लिए 4 हजार करोड़

प्रदेश के बजट में बिजली वितरण नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 4,000 करोड़ रुपये का प्रावधान भी रिपोर्ट किया गया है। इसके तहत बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता सुधारने, पुराने उपकरणों को बदलने और नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने जैसे कार्यों पर जोर दिया जा रहा है। भूमिगत केबलिंग से खुले तारों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं और मौसम के प्रभाव से बिजली आपूर्ति बाधित होने की आशंका कम हो सकती है।

77 जिलों में नेटवर्क सुधार के कार्य

केंद्रीय बिजली मंत्रालय के 12 मार्च 2026 के संसदीय जवाब के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 77 जिलों में पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत करीब 21,204.16 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत किए गए थे। आईटी/ओटी कार्यों और परियोजना प्रबंधन शुल्क सहित यह राशि करीब 21,780.32 करोड़ रुपये है। इसमें उपकेंद्रों का उन्नयन, ट्रांसफार्मर लगाने, नई बिजली लाइनें बिछाने और वितरण व्यवस्था मजबूत करने के कार्य शामिल हैं।

अभी पूरी केबलिंग का आंकड़ा उपलब्ध नहीं

प्रदेश में कितने जिलों में बिजली की लाइनें पूरी तरह भूमिगत हो चुकी हैं और कितने जिलों में यह काम बाकी है, इसका समेकित आधिकारिक आंकड़ा फिलहाल उपलब्ध नहीं है। ऐसे में 65,926 करोड़ रुपये को केवल भूमिगत केबलिंग का बजट मानना सही नहीं होगा। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से आने वाले वर्षों में प्रदेश की बिजली व्यवस्था अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद बनने की उम्मीद है।

डीआरएम ने चौखंडी, जंघई जंक्शन का किया निरीक्षण

संवाददाता



लखनऊ। उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) सुनील कुमार वर्मा ने चौखंडी, जंघई एवं वाराणसी जंक्शन रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था और विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यात्री सुविधाओं में सुधार और लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने के निर्देश दिए।

चौखंडी स्टेशन पर डीआरएम ने प्लेटफॉर्म संख्या-1, फुट ओवर ब्रिज, शौचालय, स्टेशन मास्टर कक्ष, आईपीएस कक्ष और बैटरी कक्ष सहित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा कराने तथा यात्रियों की सुविधा के लिए प्रतीक्षालय विकसित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही रेलवे समपार फाटक संख्या 15/सी का भी निरीक्षण किया।

इसके बाद जंघई स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या-1, 2 और 3, शौचालय, प्रतीक्षालय, पूछताछ काउंटर, स्टेशन भवन एवं अन्य कार्यालयों की व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने स्टेशन परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, यात्री सुविधाओं को बेहतर करने और निमार्णाधीन कार्यों में तेजी लाने को कहा।

इस दौरान एक यात्री ने ट्रेनों के कोच की स्थिति बताने वाले कोच पोजिशन बोर्ड लगाने का अनुरोध किया, जिस पर अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अंत में डीआरएम ने वाराणसी जंक्शन का निरीक्षण कर उपलब्ध यात्री सुविधाओं और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक बृजेश यादव, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक समर्थ गुप्ता सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

गलत बिलिंग से राहत देने की मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पांचों बिजली कंपनियों में पुराने बिजली बिलों में ओवरबिलिंग और गलत बिलिंग की शिकायतों के निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग उठी है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने पावर कॉरपोरेशन और सभी डिस्कॉम प्रबंधन से पुराने बिलों की गहन समीक्षा कर उपभोक्ताओं को राहत देने की अपील की है। वर्मा ने बताया कि प्रदेश की पांचों बिजली कंपनियों में 1 अप्रैल से 18 नवंबर 2026 तक बिजली आपूर्ति से संबंधित 78 लाख 96 हजार 614 शिकायतें तथा बिल संशोधन से जुड़ी 7 लाख 46 हजार 347 शिकायतें दर्ज हुई हैं।

उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति की समस्याओं के समाधान के लिए

पुल के नीचे गांजा बेचते युवक गिरफ्तार

कबीरधाम, (एजेंसी)। जिले में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुंडा पुलिस ने हाफ नदी पुल के नीचे गांजा बेच रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 196 ग्राम गांजा, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन और बिक्री की रकम 350 रुपये जब्त की है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत 2 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, 25 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हाफ नदी पुल के नीचे एक व्यक्ति गांजा रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना पर कुंडा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गवाहों की मौजूदगी में घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की। इस दौरान एक युवक सफेद रंग के थैले में संदिग्ध मादक पदार्थ और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन के साथ मिला। पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान करन मानिकपुरी (19 वर्ष), निवासी धापपारा कुंडा के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसके पास रखे थैले से झिल्ली के सात छोटे पैकेट और कागज की पांच पुड़िया में गांजा बरामद हुआ।

भाजपा नेता का वायरल वीडियो मामला.....

महिला के पति ने भाजपा नेता पर लगाया धमकाने और बसा बसाया घर उजाड़ने का आरोप

कलेक्टर व एसपी से शिकायत, जांच व कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा नेता के वायरल वीडियो का मामला शिकायत दर्ज शिकायत तक जा पहुँचा है। मंगलवार को इस मामले में जहाँ महिला सामने आ कर भाजपा नेता का बचाव करते हुए अपने पति पर गम्भीर आरोप लगाए है तो बुधवार को महिला के पति ने फिर एक बार नए सिरे से भाजपा नेता पर दबाव बनाने व गाली गलौज का आरोप लगाते हुए आला अफसरों से शिकायत की है।राजेश सोनी ने कलेक्टर एसपी को दिए एक शिकायत में आरोप लगाया है कि भाजपा नेता मुकेश गर्ग उनका बसा बसाया घर बर्बाद कर दिया और पति पत्नी के बीच फुट डाल कर उसका लाभ उठा रहे है। पत्र में कहा गया है कि विगत 21 नवंबर घर मे घुसने की घटना के बाद से मुझे बार-बार फोन करते है नहीं उठाने पर वे अपने गुर्गे सहित अपने भाई पूनम को मेरे घर भेजते है। उसके बहुत बुलाने धमकाने पर मै मेरा भाई और मां उसके घर



जाते है तो वे अपने भाजपा पार्टी का पद पावर सत्ता का धौंस दिखाते हुए अश्लील गाली गलौज कर जान से मारकर फेंकवाने की धमकी देकर शिकायत वापस लेने व उसके पक्ष में वीडियो बनवाने का दबाव दे रहे है। साथ ही मेरे भूमि पर पुराना विवाद का हवाला देकर अनाप शनाप गाली गलौज कर ब्लैकमेलिंग करने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान मुझे अपने घर में 1 घंटे तक जाने नहीं दिया बंधक बनाए रखा। मेरे शोर मचाने पर ही जाने दिया। इस पूरी घटना के बाद भी मुकेश गर्ग बार बार फोन करके तो कभी अपने भाई पूनम,तो कभी अपने गुर्गे को मेरे पास भेजकर धमका चमका रहे है और शिकायत वापस लेने का दवाब बना रहे है।

आरोप है कि इस पूरे घटना के बाद अपनी छवि बचाने बचाने के लिए मेरी पत्नी का सहारा लेते हुए पुलिस अधीक्षक से मेरे सहित मां, भाई के खिलाफ शिकायत कराया है। जिससे मैं और मेरा परिवार भयभीत है। मेरे व मेरे परिवार को मुकेश गर्ग से खतरा है वह मेरे व मेरे परिवार को मरवा कर फेंकवा देगा या कुछ षड्यंत्र साजिश कर झूठे केस में फंसा सकता है उससे मेरे व मेरे परिवार को जान का खतरा है।पत्र में आरोप है कि भाजपा नेता ने मेरी पत्नी को बहला फुसला कर छीन लिया, उसका भरपूर सहयोग करते हुए ब्यूटी पार्लर खुलवा दिया है। इस पूरे मामले में उचित निष्पक्ष जांच करते हुए मेरा व मेरी पत्नी के साथ मुकेश गर्ग के फोन डिटेल निकाला जाए और साथ ही नार्को टेस्ट कराया जाए जिससे सच सामने आ जाएगा।इधर इस नए आरोप पर भाजपा नेता मुकेश गर्ग ने कहा है कि न मैने राजेश सोनी को अपने घर पर बुलाया है और न ही उसके घर गया हूँ जो भी आरोप लगा रहा है वे सब बेबुनियाद है।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस हेतु चयनित छात्रा अनुराधा को कलेक्टर ने किया सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन



सूरजपुर। 32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2026 के राज्य स्तरीय आयोजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने वाली छात्रा अनुराधा को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने सम्मानित किया है। बुधवार को छात्रा यहां कलेक्टर श्रीमती जमील से मिलने पहुंची थी। इस दौरान कलेक्टर ने छात्रा को सील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। ज्ञात हो कि पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में संपन्न हुआ। इस आयोजन में जिले के रामानुजनगर विकासखंड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्णपुर की छात्रा अनुराधा ने अपनी उत्कृष्ट वैज्ञानिक परियोजना एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण से राज्य स्तर पर सफलता हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित होकर जिले को गौरवान्वित किया है।छात्रा अनुराधा और उसके सहयोगी छात्र तुलेश्वर एवं उनकी मार्गदर्शक शिक्षिका शोभा सोनी को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। जिले की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा, जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू एवं सहायक संचालक अजय सिंह ने भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्रा अनुराधा को शुभकामनाएँ दिए हैं।

एसडीएम के निरीक्षण में बकिरमा केंद्र से सौ क्विंटल अमानक धान किया गया जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन



सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन में धान खरीदी से संबंधित अधिकारियों द्वारा जिले के धान खरीदी केंद्रों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुनील अग्रवाल द्वारा धान खरीदी केंद्र बकिरमा का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कृषक गोविंद बरगाह, नवापारा द्वारा लाया गया लगभग 100 क्विंटल धान अमानक एवं पुराना पाया गया। अधिकारियों द्वारा मौके पर ही उक्त धान की जब्ती की कार्यवाही की गई। जांच में पाया गया कि उक्त धान शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं था। पुराने एवं अमानक धान को नवीन धान के रूप में खपाने का प्रयास किया जा रहा था।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने निर्देशित किया है कि धान खरीदी में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। किसानों के धान की गुणवत्ता की समुचित जांच के उपरांत ही खरीदी की जाए। अमानक धान की खरीदी किसी भी स्थिति में न की जाए। उन्होंने कहा है कि खरीदी केंद्रों में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों का इसी प्रकार औचक निरीक्षण जारी रखा जाए, ताकि वास्तविक किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके।

भैंस को बचाने नदी में उतरे चरवाहे की गहरे पानी में डूबने से मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम पंचायत पीढ़ा में भैंस चराने के दौरान एक हादसे में 58 वर्षीय ग्रामीण की नदी में डूबने से मौत हो गई। बताया गया है कि भैंस के नदी के गहरे पानी में चले जाने पर उसे बाहर निकालने की कोशिश कर रहे चरवाहे को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं रहा और वह खुद गहरे पानी में समा गया। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पीढ़ा निवासी 58 वर्षीय चमरू राम राजवाड़े पिता लक्षण राजवाड़े रोजाना की तरह भैंस चराने निकला था। इसी दौरान उसकी एक भैंस नदी के बीच गहरे पानी की ओर चली गई। भैंस को बाहर निकालने के उद्देश्य से चमरू राम भी नदी में उतर गया, लेकिन गहरे पानी में पहुंचते ही वह अपना संतुलन खो बैठे और डूबने लगे। देखते ही देखते वह पानी में लापता हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर तलाश की, लेकिन सफलता



नहीं मिलने पर इसकी सूचना डीडीआरएफ टीम को दी। सूचना मिलते ही डीडीआरएफ की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और नदी में तलाशी अभियान चलाकर चमरू राम का शव बाहर निकाला। इसके बाद शव ग्रामीणों के सुपुर्द कर दिया गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी जाहिर की है। ग्रामीणों का आरोप है कि हादसे की सूचना देने के बावजूद कोतवाली पुलिस काफी विलंब से घटनास्थल पर पहुंची। उनका कहना है कि ऐसी संवेदनशील परिस्थितियों में पुलिस की त्वरित मौजूदगी और सहयोग बेहद जरूरी होता है, लेकिन मौके पर समय से पुलिस के नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में असंतोष है। बहरहाल नदी में डूबने से हुई इस मौत के बाद पीड़ित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

बेख़ौफ़ चल रहे रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन से बंशीपुर की सड़कों पर उड़ रहा धूल का गुब्बार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर क्षेत्र के बांकी, पतरंगी व बंशीपुर में महान नदी भैंसमुंडा से व्यापक पैमाने पर रेत का उत्खनन और परिवहन बेख़ौफ़ होकर किया जा रहा है। धड़ल्ले से हो रहे रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन

जिम्मेदार मौन, कार्रवाई करेगा कौन

पर जिम्मेदारों की चुप्पी से सवाल खड़े हो रहे है। ग्रामीणों के मुताबिक महान नदी से प्रतिदिन 40 से 50 ट्रिप रेत निकाली जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में वाहनों की लगातार आवाजाही के बावजूद संबंधित विभाग की निगरानी और कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। रेत का खेप निरंतर टीपर एवं हाईवा वाहन के माध्यम से सीमावर्ती राज्यों में भेजा जा रहा है। जिसकी जानकारी जिम्मेदारों को होने के बावजूद भी किसी प्रकार की कार्रवाई ना होना कहीं और इशारा कर रहा है। रेत परिवहन में लगे भारी वाहनों ने ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल कर दी है। रेत से भरी वाहनों के आवागमन से गांव की सड़कों पर दिनभर धूल के गुबार



उड़ते रहते हैं। राहगीरों को धूल के बीच रास्ता तय करना पड़ रहा है, वहीं दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। सबसे चिंताजनक स्थिति स्कूली बच्चों की है। इसी सड़क से रोजाना छोटे-छोटे मासूम बच्चे स्कूल आते-जाते हैं। एक ओर भारी वाहनों की लगातार आवाजाही और दूसरी ओर धूल के घने गुबार, ऐसे हालात में बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। ग्रामीणों की मांग है कि खनिज विभाग तत्काल मौके पर पहुंचकर उत्खनन की जांच करे, रेत परिवहन में लगे वाहनों के दस्तावेजों की पड़ताल और अवैध उत्खनन पाए जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील को जानकारी देने पर उन्होंने संबंधित विभाग एवं राजस्व विभाग को कार्यवाही हेतु निर्देशित करने की बात कही है।

शादी समारोह में आवारा पशु का आतंक, महिला के कूल्हे में हेयरलाइन फ्रैक्चर

★ कलेक्टर के सख्त निर्देशों के बावजूद नगर की सड़कों पर घूम रहे निराश्रित पशु ★ नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। नगर में आवारा पशुओं का आतंक अब लोगों के लिए गंभीर परेशानी बनता जा रहा है। ताजा मामला एक शादी समारोह का है,जहां भोजन करने पहुंची एक महिला आवारा पशु की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। पशु के अचानक तेज रफ्तार से बगल से दौड़ने के कारण महिला अपना संतुलन खो बैठी और कुछ दूर जाकर गिर पड़ी। घटना के बाद महिला ने कई बार उठने का प्रयास किया,लेकिन दर्द के कारण वह खड़ी नहीं हो सकी। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह उसे सहारा देकर उठाया और तत्काल संजीवनी हॉस्पिटल पहुंचाया। जांच में महिला के कूल्हे की हड्डी में हेयरलाइन फ्रैक्चर होने की पुष्टि हुई। इसके बाद परिजन उसे बेहतर उपचार के लिए तत्काल अंबिकापुर लेकर रवाना हुए, जहां उसका इलाज मिशन हॉस्पिटल में जारी है।

बताया गया कि नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी अजय कुमार केशरी,पिता स्वर्गीय रामलाल केशरी के पुत्र के विवाह समारोह का आयोजन आमंत्रण धर्मशाला में किया गया था। इसी समारोह में परिवार की महिला सदस्य भोजन करने पहुंची थीं। इसी दौरान यह हादसा हो गया।



कलेक्टर के निर्देशों की हो रही अनदेखी

गौरतलब है कि बलरामपुर रामानुजगंज जिले के कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने समय-सीमा की बैठक में नगर पालिका परिषद रामानुजगंज को आवारा एवं निराश्रित पशुओं की समस्या को लेकर कड़े निर्देश दिए थे। उन्होंने 22 अक्टूबर 2026 से विभागों की संयुक्त टीम गठित कर नगर क्षेत्र में घूम रहे घुमंतू एवं निराश्रित पशुओं को पकड़ने और उनके समुचित व्यवस्थापन की कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए थे।

इसके साथ ही आम नागरिकों में जागरूकता लाने के लिए पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के प्रावधानों एवं दंडात्मक कार्रवाई की जानकारी ब्रोशर और पंपलेट के माध्यम से प्रसारित करने तथा निदान 1100 हेल्पलाइन का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए थे।

हादसों के बाद भी नहीं जाग रहा नगर पालिका प्रशासन

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश जारी हुए लगभग एक माह बीत चुका है, लेकिन नगर की सड़कों पर आज भी आवारा पशु खुलेआम घूमते नजर आ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर संयुक्त टीम गठित कर कार्रवाई करने के निर्देशों का पालन अब तक क्यों नहीं हुआ? क्या नगर पालिका प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?

शादी समारोह में महिला के साथ हुई यह घटना नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। शहरवासियों का कहना है कि आवारा पशुओं के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। यदि समय रहते इन पशुओं के पकड़ने और उचित व्यवस्थापन की कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। अब देखना होगा कि इस घटना के बाद नगर पालिका प्रशासन अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए ठोस कार्रवाई करता है या कलेक्टर के निर्देश केवल कागजों तक ही सीमित रहेंगे।

गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की बड़ी कार्रवाई, निर्माण कार्यों में लापरवाही पर दो ठेकेदार एजेंसियां ब्लैकलिस्ट

रायपुर, (एजेंसी)। शासकीय निर्माण कार्यों में लापरवाही और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने कड़ी कार्रवाई की है। मंडल ने दो निर्माण एजेंसियों—मेसर्स विनायक इंफ्रास्ट्रक्चर और मेसर्स सार्थक ट्रेडर्स—को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में दर्ज करने का आदेश जारी किया है।

कोरबा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रंजना (विकासखंड कटघोरा), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उतरदा (विकासखंड पाली) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पसान (विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा) में आवासीय भवनों का निर्माण निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाना था। अनुबंध के अनुसार इन कार्यों को नौ माह में पूर्ण करने की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार एजेंसियों को सौंपी गई थी।

निर्माण कार्यों की प्रगति अत्यंत धीमी रहने और ठेकेदारों की लापरवाही से कार्य प्रभावित होने पर मंडल ने संबंधित एजेंसियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने और कार्यों के प्रति उदासीनता को गंभीरता से लेते हुए मंडल ने नियमानुसार कार्रवाई की।

मेसर्स विनायक इंफ्रास्ट्रक्चर, ब-वर्ग ठेकेदार (सीजीईआर 2820) और मेसर्स सार्थक ट्रेडर्स, द-वर्ग ठेकेदार (सीजीईआर20160) को काली सूची में दर्ज करने का आदेश जारी किया गया है।

मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि शासकीय निर्माण कार्य आम नागरिकों की सुविधाओं और जनहित से सीधे जुड़े होते हैं। इनमें लापरवाही, अनावश्यक विलंब या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार्य नहीं है। प्रत्येक निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी है कि वह अनुबंध की शर्तों का पालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करे। जनहित के कार्यों में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मंडल आयुक्त अवनीश कुमार शरण ने कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना मंडल की प्राथमिकता है। ठेकेदारों को समय-सीमा, निर्माण गुणवत्ता और अनुबंध की शर्तों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। लापरवाही या उदासीनता बरतने वाली एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। संबंधित अधिकारियों को भी निर्माण कार्यों की सतत निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मंडल ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है। अनावश्यक विलंब, लापरवाही या अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन पर ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अवैध शराब बेचते महिला गिरफ्तार

दुर्ग, (एजेंसी)। जिले में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुम्हारी पुलिस ने ग्राम रूपनगर में एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिला के कब्जे से 37 पौवा देशी शराब और बिक्री की नगद रकम सहित कुल 5,250 रुपये की सामग्री जब्त की है। आरोपी महिला के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, 25 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम रूपनगर में कुम्हारी सुलभ के पास एक महिला अवैध रूप से शराब बेच रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर कार्रवाई की और महिला को पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान महिला के कब्जे से शोले देशी मसाला मदिरा के 27 पौवा और सुपर प्लेन मदिरा के 10 पौवा बरामद हुए। प्रत्येक पौवा 180 एमएल का था। इस तरह कुल 6.660 बल्क लीटर शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 3,500 रुपये बताई गई है। इसके अलावा शराब बिक्री की 1,750 रुपये नगद रकम भी बरामद की गई।

गिरफ्तार महिला की पहचान सीता जगत (55 वर्ष), पति इंद्र जगत, निवासी रूपनगर वार्ड क्रमांक 15, थाना कुम्हारी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके विरुद्ध थाना कुम्हारी में अपराध क्रमांक 386/26 के तहत छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) में अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है।

इस कार्रवाई में थाना कुम्हारी की महिला पुलिस अधिकारी और पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री की सूचना नजदीकी थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को देने की अपील की है।

सरकारी मितानिन सम्मान समारोह या भाजपा का राजनीतिक प्रचार मंच

कमल छाप झोले बांटने पर भड़के पूर्व विधायक गुलाब कमरो

मानदेय बढ़ाने के वादे पर चुप्पी, झोला और घड़ी बांटकर औपचारिकता

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। मनेंद्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा आयोजित मितानिन दिवस पर सम्मान समारोह अब राजनीतिक विवादों के घेरे में आ गया है। पूरी तरह शासकीय आयोजन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (ष्टरू॥ह्र) के आयोजनकर्ता होने के बावजूद मितानिन दीदियों को भाजपा के चुनाव चिह्न कमल के फूल वाला झोला वितरित किए जाने पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कड़ी आपत्ति जताई है। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सवाल उठाया कि क्या ष्टरू॥ह्र जैसे जिम्मेदार शासकीय अधिकारी अब भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं? सरकारी कार्यक्रमों में किसी राजनीतिक दल के चुनाव चिह्न का प्रचार किसके निर्देश पर और किसकी अनुमति से किया जा रहा है? क्या सरकारी आयोजन अब राजनीतिक दलों के प्रचार का माध्यम बनेंगे? उन्होंने कहा कि शासकीय कार्यक्रम किसी राजनीतिक दल का मंच नहीं होता। सरकारी संसाधनों और आयोजनों का इस्तेमाल राजनीतिक प्रचार के लिए करना बेहद गंभीर मामला है। आखिर कमल के फूल वाले झोले बांटने की अनुमति किसने दी और इसके लिए जिम्मेदारी किसकी तय होगी?

झोला नहीं, मितानिन बहनों को चाहिए उनका अधिकार और बढ़ा हुआ मानदेय

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि मंत्री जी को झोले और घड़ियां बांटकर सम्मान की औपचारिकता करने के बजाय मितानिन बहनों के हित में काम करना चाहिए। चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादे के अनुसार मितानिनों के मानदेय में 50 प्रतिशत वृद्धि, प्रोत्साहन राशि और उनकी अन्य लंबित मांगों को पूरा किया जाना चाहिए।दिन-रात गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी निभाने वाली मितानिन बहनों को राजनीतिक निशान वाले झोले नहीं, बल्कि उनका हक, सम्मानजनक मानदेय और सुविधाएं चाहिए।



सांसद का नाम प्रोटोकॉल से गायब, जिला मुख्यालय के कार्यक्रम खड़गवां में क्यों

इस पूरे आयोजन में एक और गंभीर सवाल सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत का नाम प्रोटोकॉल में शामिल नहीं किए जाने को लेकर उठ रहा है। वहीं जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में आयोजित किए जाने योग्य कार्यक्रम को खड़गवां में आयोजित किए जाने पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि जिला मुख्यालय से जुड़े महत्वपूर्ण शासकीय कार्यक्रमों को बार-बार खड़गवां या अन्य स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है। आखिर जिला मुख्यालय को लगातार नजरअंदाज करने के पीछे क्या वजह है? क्या यह प्रशासनिक व्यवस्था है या सत्ता की मनमानी?

जवाबदेही तय हो, राजनीतिक प्रचार पर लगे रोक

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने पूरे मामले पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकारी कार्यक्रमों में राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्न का इस्तेमाल, जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल की अनदेखी और मितानिनों की जायज मांगों की उपेक्षा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। मितानिन बहनों का सम्मान कमल छाप झोला बांटने से नहीं, उनके अधिकारों को पूरा करने से होगा। प्रशासन को बताना चाहिए कि सरकारी धन और सरकारी मंच का इस्तेमाल आखिर किसके राजनीतिक हित साधने के लिए किया जा रहा है?

मितानिन दिवस पर मितानिनों का किया गया सम्मान



छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। मितानिन दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत चैनपुर में मितानिन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गांव में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली मितानिनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सभी मितानिनों को स्वेटर और श्रीफल भेंटकर उनके सेवा कार्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित पूर्व जनपद सदस्य रफीक मेमन, चैनपुर ग्राम पंचायत की सरपंच मीना कुमारी, उपसरपंच मदन सिंह मरकाम, पंच अकरम खान सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मितानिनों के कार्यों की सराहना की । समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि मितानिनें ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे अपने अपने वार्डों में घर घर पहुंचकर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देती हैं और जरूरतमंद ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाओं और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करती हैं। गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों तक स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी पहुंचाने में भी उनकी अहम भूमिका रहती है। वक्ताओं ने कहा कि गांव में किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या सामने आने पर मितानिनें तत्परता से लोगों तक पहुंचती हैं। उनका कार्य केवल स्वास्थ्य जागरूकता तक सीमित नहीं है बल्कि वे ग्रामीणों और स्वास्थ्य विभाग के बीच एक मजबूत संपर्क सूत्र के रूप में भी काम करती हैं। ऐसे में उनके समर्पण और सेवाभाव को सम्मान देना समाज की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर काफी संख्या में मितानिन बहनें उपस्थित रहीं।

संविधान दिवस पर कोरिया की पंचायतों में होगा प्रस्तावना का सामूहिक वाचन

छ.ग.फ्रंटलाइन

कोरिया। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार, 26 नवंबर को कोरिया जिले में जिला, जनपद और ग्राम पंचायत स्तर पर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया जाएगा। सुबह 11 बजे पंचायत कार्यालयों और निर्धारित स्थलों पर होने वाले इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और ग्रामीण शामिल होंगे। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय के पत्र के परिपालन में पंचायत संचालनालय, छत्तीसगढ़ ने प्रदेश की सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आयोजन के निर्देश दिए हैं। अधिक से अधिक ग्रामीणों की भागीदारी के लिए प्रस्तावना की प्रति हिंदी या स्थानीय भाषा में सभी ग्राम पंचायतों को डिजिटल और मुद्रित रूप में पहले से उपलब्ध कराने को कहा गया है। प्रस्तावना की प्रति भारत सरकार की वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है। पंचायत स्तर पर संवैधानिक मूल्यों, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों पर परिचर्चा, वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही नागरिकों को ऑनलाइन 'रीड द प्रीएम्बल' अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

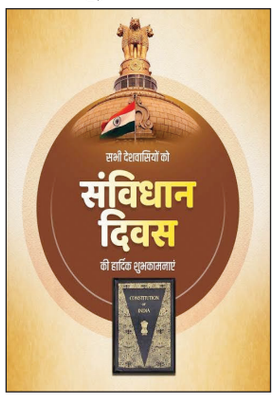

हर्षोल्लास से मनाया गुरु नानक देव जी का 557 वां प्रकाश पर्व

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी का 557 वां प्रकाश पर्व स्टेशन रोड स्थित साध संगत गुरुद्वारा में अत्यंत श्रद्धा भक्ति हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गुरुनानक देव जी का जन्म कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ था। गुरुनानक देव जी की जयंती को प्रकाश पर्व के रूप में मनाया गया । गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर मंगलवार की सुबह से ही स्टेशन रोड स्थित साध संगत गुरुद्वारा में सिख संगत मत्था टेकने पहुंचने लगी थी। इस अवसर पर गुरुद्वारा परिसर में गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही ? इस दौरान समाज के सभी वर्गों की संगत ने पहुंचकर लंगर प्रसाद ग्रहण करते हुए पुण्य लाभ अर्जित किया । साध संगत गुरुद्वारा में श्रध्दा और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को पूरे विश्व में सिखों के प्रथम गुरु गुरुनानक देव जी का प्रकाश पर्व मनाया गया 7 इसी उपलक्ष्य में मनेन्द्रगढ़ में भी गुरुद्वारा श्री साध संगत साहिब स्टेशन रोड पर समस्त कार्यक्रम आयोजित किए गए जहां पर बीते कई दिनों से ही गुरुबाणी कीर्तन हो रहे थे जिसमें सिख संगत का विशेष उत्साह देखने को मिला। गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व की तैयारी सिख संगत ने 11 दिन पहले से ही शुरू कर दी थी जिसमें सुबह 5.30 बजे से ही लगातार 11 दिन प्रभात फेरी गुरबाणी कीर्तन करते हुए सिख संगत निकली । जिससे समस्त मनेंद्रगढ़ का वातावरण गुरबाणी रस से ओत प्रोत रहा 7 तत्पश्चात 22 नवंबर से अमृतसर से आए भाई संदीप सिंह जी मजीठिया रागी जत्थे ने अपने सुरीली आवाज से संगतो को गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत कर निहाल किया। पूरे उत्साह के साथ सिख संगत के प्रथम गुरु गुरु नानक देव जी प्रकाश पर्व मनाया गया।



आज जनकपुर में मनाया जाएगा जिला स्तरीय संविधान गौरव दिवस

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार आज 26 नवंबर को जिला स्तरीय संविधान गौरव दिवस समारोह का आयोजन दोपहर 12 बजे शासकीय नवीन महाविद्यालय जनकपुर में निर्धारित किया गया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुये भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राम चरित द्विवेदी ने बताया कि इस अवसर पर जिले में निवासरत भाजपा के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी, भाजपा के विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, जनप्रतिनिधि, नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठजन, प्रबुद्धजन, भाजपा कार्यकर्ता एवं आम नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। संविधान गौरव दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान के महत्व, उसके मूल्यों, लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा संविधान निर्माताओं के योगदान को स्मरण किया जाएगा। आयोजन के माध्यम से संविधान के प्रति सम्मान एवं जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम के लिए भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती चम्पा देवी पावले, जिला महामंत्री द्वारिका जायसवाल एवं आशीष मजूमदार, जिला संयोजक विधि प्रकोष्ठ आदित्य गुप्ता तथा जिला कार्यालय मंत्री रमेश यादव ने जिले के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।



धान खरीदी की बेहतर व्यवस्था से महिला किसानों को मिल रहा आर्थिक संबल, ऑनलाइन टोकन से बढ़ी सहूलियत

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए धान उपार्जन केंद्रों में की गई बेहतर व्यवस्थाओं एवं ऑनलाइन टोकन सुविधा से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल, सहज और सुविधाजनक हो गई है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को लेकर किसानों में उत्साह का माहौल है। शासन की इन व्यवस्थाओं का लाभ महिला किसानों को भी मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल रहा है।

इसी कड़ी में ग्राम भल्लौर निवासी महिला किसान श्रीमती फूलबाई अपनी 40 क्विंटल धान की उपज लेकर चैनपुर धान उपार्जन केंद्र पहुंचीं। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, सुव्यवस्थित खरीदी प्रक्रिया एवं ऑनलाइन टोकन व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए की गई व्यवस्थाओं से महिला किसानों को भी अपनी उपज बेचने में काफी सहूलियत मिल रही है।

घर बैठे ऑनलाइन टोकन से समय और श्रम की हो रही बचत

किसानों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराई गई ऑनलाइन टोकन व्यवस्था धान विक्रय प्रक्रिया को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अब किसानों को टोकन प्राप्त करने के लिए बार-बार उपार्जन केंद्र जाने अथवा लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। किसान 'टोकन तुंहर हाथ' मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे टोकन प्राप्त कर निर्धारित तिथि पर अपनी उपज लेकर खरीदी केंद्र पहुंच सकते हैं। यह सुविधा विशेष रूप से महिला किसानों के लिए लाभकारी है, क्योंकि इससे उन्हें घरेलू जिम्मेदारियों के साथ कृषि संबंधी कार्यों के प्रबंधन में भी आसानी हो रही है।

उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधाओं का रखा जा रहा विशेष ध्यान

जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारु एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए उपार्जन केंद्रों में पर्याप्त बारदाने, तौल की समुचित व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। किसानों को अपनी उपज बेचने के दौरान अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए खरीदी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ऑनलाइन टोकन प्रणाली से उपार्जन केंद्रों में भीड़ को नियंत्रित करने और खरीदी प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाए रखने में भी मदद मिल रही है। राज्य शासन द्वारा किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। इस दर के अनुसार महिला किसान फूलबाई की 40 क्विंटल धान की उपज का कुल मूल्य एक लाख 24 हजार रुपये होगा। उपज का बेहतर मूल्य मिलने से महिला किसानों को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति, आगामी फसल की तैयारी एवं कृषि संबंधी खर्चों के प्रबंधन में सहायता मिलेगी। कृषि गतिविधियों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को भी इससे प्रोत्साहन मिल रहा है। महिला किसान श्रीमती फूलबाई ने धान खरीदी की बेहतर व्यवस्था, ऑनलाइन टोकन सुविधा एवं उपज का उचित मूल्य मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि शासन की किसान हितैषी पहल से धान विक्रय की प्रक्रिया आसान हुई है और किसानों को काफी सुविधा मिल रही है।



ऑनलाइन टोकन से धान विक्रय की राह हुई आसान, बेहतर खरीदी व्यवस्था से किसानों को मिल रही राहत

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए धान उपार्जन केंद्रों में की गई बेहतर व्यवस्थाओं एवं तकनीक आधारित ऑनलाइन टोकन सुविधा से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल, सहज और सुविधाजनक हो गई है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को लेकर किसानों में उत्साह का माहौल है। शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा किसानों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए की गई व्यवस्थाओं का सकारात्मक प्रभाव उपार्जन केंद्रों में देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में ग्राम गिदगुड़ी निवासी किसान लालसाय कुर्रे अपनी 42.40 क्विंटल धान की उपज लेकर बरदर धान उपार्जन केंद्र पहुंचे। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, सुव्यवस्थित तौल व्यवस्था एवं ऑनलाइन टोकन प्रणाली पर संतोष व्यक्त किया। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखकर की गई व्यवस्थाओं से उन्हें अपनी मेहनत की उपज बेचने में काफी सहूलियत मिल रही है। शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई ऑनलाइन टोकन व्यवस्था किसानों के लिए राहत का माध्यम बन रही है। अब किसानों को टोकन प्राप्त करने के लिए बार-बार उपार्जन केंद्र जाने अथवा लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। किसान 'टोकन तुंहर हाथ' मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर निर्धारित तिथि पर अपनी उपज लेकर खरीदी केंद्र पहुंच सकते हैं। इस सुविधा से किसानों के समय और श्रम की बचत होने के साथ ही कृषि संबंधी अन्य कार्यों के लिए भी समय मिल रहा है। जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए उपार्जन केंद्रों में पर्याप्त बारदाने, तौल की समुचित व्यवस्था सहित किसानों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। किसानों को धान विक्रय के दौरान अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए खरीदी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निर्धारित तिथि के अनुसार किसानों के केंद्र पहुंचने से भीड़ को नियंत्रित करने तथा उपार्जन प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाए रखने में भी मदद मिल रही है।

राज्य शासन द्वारा किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। इस दर के अनुसार किसान लालसाय कुर्रे की 42.40 क्विंटल धान की उपज का कुल मूल्य एक लाख 31 हजार 440 रुपये होगा। किसानों को उनकी मेहनत और उपज का बेहतर मूल्य मिलने से आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है। इससे उन्हें परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति, आगामी फसल की तैयारी तथा कृषि संबंधी खर्चों के प्रबंधन में सहायता मिलेगी। किसान लालसाय कुर्रे ने धान खरीदी की बेहतर व्यवस्था, ऑनलाइन टोकन सुविधा एवं उपज का उचित मूल्य मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि शासन की किसान हितैषी पहल से धान बेचने की प्रक्रिया आसान हुई है और किसानों को काफी सुविधा मिल रही है।



लंबे समय से ग्रामीणों के मांग अनुरूप सरपंच सोनहत ने कराई लाखों की निर्माण कार्य स्वीकृत

छ.ग.फ्रंटलाइन

सोनहत। विकास खंड सोनहत मुख्यालय होने के साथ क्षेत्रों से ग्रामीणोंकिसानों की आवाजाही लगी रहती है लेकिन कच्ची सड़क जर्जर अवस्था में टुटी फुटी सड़कों में चलना दुभर हो जाता है इस विषय पर सोनहत संरपच मान मती सिंह ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर क्षेत्र की सोलह किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य की अनुविभागीय लोक निर्माण विभाग से कार्य स्वीकृत कराई है इसमें पण्डो पार उरांव पारा धुम्मा डांड में सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति हेतु लेख कर आवेदन की थी उक्त निर्माण हेतु बजट में शामिल कर स्वीकृति दी गई है लंबे समय से इन क्षेत्रों के निवासियों को बरसात के दिनों में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता था उसको सोनहत संरपच ने अपने संज्ञान में लेकर मुख्यमंत्री को आवेदन देकर तीनों जगहों के लिए मांग की थी जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकृति कर दी है उरांव पारा पण्डो पार धुम्माडाड ये सब आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र से आते हैं गामिणो की कच्ची सड़क खराब टुटी फुटी सड़कों के कारण बहुत दिनों से परेशान थे इससे तीनों मोहल्ले के सैकड़ों ग्रामीणोंने राहत की सांस ली है एवं संरपच मानमती सिंह को हृदय से आभार जताया है सड़क निर्माण से किसानों ग्रामीणोंको आर्थिक विकास बेहतर शिक्षा और तुरंत स्वास्थ्य सुविधाएं का सबसे बड़ा फायदा होता है पक्की सड़क गांवों को सीधे शहरों और बाजारों से जोड़ती है कृषि और व्यापार में लाभ उचित दाम खाद और बीज की सही समय पर उपलब्ध होना अस्पताल तक सीधा संपर्क होता है गांव में चिकित्सा संबंधी सुविधाएं शिक्षा और रोजगार के अवसर स्कूल और कॉलेज जाना आसान रोजगार के नये साधन स्थानीय व्यापार का विकास सड़क किनारे छोटी मोटी रोजगार मुलक कार्य खुलने से गांव में ही रोजगार पैदा होती है सरकारी योजनाओं का लाभ हर मौसम में संपर्क पक्की सड़क बनने से बारिश या बाढ़ के मौसम में भी गांव का संपर्क शहर हास्पीटल से नहीं टुटता है।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा